केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 232 बुधवार 13 मार्च 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

पंचायतीराज मंत्री बने ओम प्रकाश राजभर, दारा सिंह चौहान को कारागार विभाग

लखनऊ (आभा)। योगी सरकार में नवनियुक्त मंत्रियों के विभागों का मंगलवार को बंटवारा कर दिया गया। नए मंत्रियों में ओमप्रकाश राजभर को पंचायती राज, अल्पसंख्यक कल्याण, हज व मुस्लिम वक्फ विभाग का जिम्मा सौंपा गया। वहीं दारा सिंह चौहान कारागार विभाग संभालेंगे।

पहली बार मंत्री बने सुनील शर्मा को सूचना प्रौद्योगिकी व इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग का दायित्व सौंपा गया है। अनिल कुमार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री होंगे। वहीं योगी मंत्रिमंडल के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मवीर प्रजापति अब नागरिक सुरक्षा एवं होमगार्ड विभाग के मंत्री बनाये गए हैं।

बता दें कि पांच मार्च को योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला मंत्रिमंडल विस्तार हुआ था, जिसमें ओमप्रकाश राजभर, दारा सिंह चौहान, सुनील शर्मा व अनिल कुमार को मंत्री बनाया गया है। बीते दिनों ओम प्रकाश राजभर, दारा सिंह चौहान, अनिल कुमार और सुनील कुमार शर्मा ने मंत्री पद की शपथ ली थी।

रमजान शुरू होते ही मंहगे हुये फलों के दाम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रमजान माह शुरू होते ही फलों के दाम में बढ़ोत्तरी हुई हे। सबसे ज्यादा दाम सेब के बढ़े हैं। जिसे खरीदारी में रोजादारों जेब टटोलनी पड़ रही है। माह–ए–रमजान मंगलवार से शुरू हो गया। इससे पहले रोजा रखने वाले रोजादारों ने फल से लेकर अन्य सामग्री की खरीदारी कर रहे हैं।

मंगलवार को फलों के दाम में उछाल देखा गया। एक सप्ताह तक सेब जहां सौ रुपये किलो मिल जा रहे थे, वहीं मंगलवार को 140 रुपये किलो बिक रहे थे। केला के साथ संतरा के दाम में भी उछाल आया है। हालांकि, अन्य कई फलों में मामूली बढ़ोत्तरी हुई है। दक्षिण दरवाजा के रमेश व गांधीनगर के दुकानदारों ने बताया कि फल के दामों में 10 से 20 रुपये की बढ़ोत्तरी हुई है। केला में भी 10 से 20 रुपये दर्जन बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है।

नगर विकास के लोकार्पण का हुआ सीधा प्रसारण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । नगर विकास की 11000 करोड़ की परियोजना का लोकार्पण एवं शिलान्यास इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया, इसका सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में देखा गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी कमलेश चन्द्र, सांसद प्रतिनिधि जगदीश शुक्ला, जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, पीओ डूडा सुनीता सिंह एवं लाभार्थीगण उपस्थित रहे।

इस अवसर पर पीएम आवास योजनान्तर्गत जनपद के लाभार्थी विरेन्द्र यादव, कालीप्रसाद, सुनील यादव, सरिता, सोनम, गुड़िया, विद्या देवी, श्यामकली, शीला, विद्यावती, माया, शीला, इन्द्रावती, दुर्गावती, श्रीमती, मनीषा, देवी, पप्पू, विरेन्द्र कुमार, ज्ञानमती, प्रमलता, रीमा, मीना देवी, मनीषा, अर्चना एवं शशिकला तथा पीएम स्वनिधि योजनान्तर्गत जैनब, बाबूराम, अशोक कुमार, नबाब अली, शाबिर अली, जगदीश प्रसाद, गीता देवी, महेरून्निशा, द्वारिका एवं शिव कुमार को प्रमाण पत्र देकर लाभान्वित किया गया।

नायब सिंह सैनी हरियाणा के नये मुख्यमंत्री

चण्डीगढ (आभा)। हरियाणा की राजनीति में मंगलवार खेला का दिन रहा। सीएम मनोहर लाल खट्टर ने पूरे मंत्री परिषद के साथ सीएम पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके बाद भाजपा ने विधायक दल की मीटिंग की और नायब सिंह सैनी को नेता चुन लिया गया। अब वह राज्य के नए मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने राजभवन में सीएम पद की शपथ ली। 90 सीटों वाले हरियाणा में भाजपा के 41 विधायक हैं और 6 निर्दलियों का समर्थन भी उसे हासिल है। ऐसे में 47 विधायकों के साथ भाजपा ने फिर से सरकार बनाई है।

इससे पहले मनोहर लाल खट्टर ने चंडीगढ़ के हरियाणा निवास में भाजपा और निर्दलीय विधायकों के साथ मीटिंग की और फिर राजभवन जाकर इस्तीफा सौंप दिया। जेजेपी के भी करीब 7 विधायक पाला बदलकर भाजपा की सरकार को समर्थन कर सकते हैं। ऐसा हुआ तो यह हरियाणा की राजनीति में बड़ा खेला होगा। भाजपा ने सभी निर्दलीय विधायकों से समर्थन पत्र भी ले लिए हैं। नए मुख्यमंत्री बनाए गए नायब सिंह सैनी फिलहाल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हैं और कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट से सांसद भी हैं। अब उन्हें सांसदी से इस्तीफा देना होगा।

पिछले कुछ सालों में ऐसा कई राज्यों में देखने को मिला है कि बीजेपी नेतृत्व ने विधानसभा चुनाव से पहले सीएम को बदलकर किसी नए चेहरे को जगह दी हो। हरियाणा से पहले गुजरात और उत्तराखंड में भी बीजेपी ने अपने मुख्यमंत्री को बदल दिया था। इसके बाद हुए चुनाव में पार्टी को फायदा भी मिला और फिर से दोनों राज्यों में सरकार भी बनाई। गुजरात में साल 2022 में हुए विधानसभा चुनाव से 15 महीने पहले बीजेपी नेतृत्व ने अचानक तत्कालीन मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को बतौर सीएम बदल दिया था। 11 सितंबर, 2021 को विजय रूपाणी ने राज्यपाल से मुलाकात करते हुए मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। रूपाणी के बाद भूपेंद्र पटेल को गुजरात का नया मुख्यमंत्री बनाया गया और फिर 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी को बंपर जीत मिली। विजय रूपाणी को पद से हटाए जाने की कोई आधिकारिक वजह नहीं बताई गई, लेकिन अटकलें लगीं कि कोविड–19 की दूसरी वेव के दौरान, जिस तरह गुजरात से लोगों के मरने की खबरें सामने आईं, उससे लोगों में बीजेपी सरकार और खासतौर पर विजय रूपाणी के खिलाफ काफी नाराजगी थी।

जिला प्रोबेशन अधिकारी रहीं अनुपम यादव के खिलाफ जांच शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिला प्रोबेशन अधिकारी रहीं अनुपम यादव के खिलाफ जांच शुरू हो गई। शासन के निर्देश पर यह जांच सीडीओ जयदेव सीएस कर रहे हैं। उन्होंने छह बिन्दुओं पर आरोप–पत्र अनुपम यादव को जारी किया है। डीएम ने अनुपम यादव के खिलाफ शासन को डीओ लेटर लिखा था। उनसे चार्ज लेकर पीओ डूडा को दे दिया गया है। इस समय वह महिला कल्याण विभाग के निदेशक कार्यालय से संबद्ध हैं।

सीडीओ जयदेव सीएस ने अनुपम यादव को दिए निर्देश में कहा है कि विशेष सचिव उत्तर प्रदेश शासन, महिला कल्याण अनुभाग–एक लखनऊ की ओर से 20 दिसंबर जांच का निर्देश दिया गया है। यह जांच अनुपम यादव के विरूद्ध विभिन्न बिन्दुओं पर जारी है। इस प्रकरण की जांच कार्य पूर्ण होने के पहले छह बिन्दुओं पर अनुपम यादव से सीडीओ ने उनका पक्ष मांगा है। सीडीओ ने 15 दिनों में छह बिन्दुओं पर जवाब नहीं देने पर अग्रिम कार्रवाई कर दी जाएगी। सीडीओ ने इसकी सूचना डीएम बस्ती और विशेष सचिव महिला कल्याण उत्तर प्रदेश को भी दिया है।

सीडीओ जयदेव सीएस ने छह बिन्दुओं पर पूर्व डीपीओ अनुपम यादव से जवाब मांगा है। इनमें मिशन शक्ति योजना फेज–चार में शासन के मंशानुरूप कार्रवाई नहीं करना, बिना उच्चाधिकारियों के पूर्व अनुमति के स्वेच्छा से अवकाश पर चले जाना और कार्यालय से अक्सर अनुपस्थित रहना, अनियमित रूप से शासकीय कार्य के लिए वाहनों को संबद्ध करना, वर्ष 2021–22 से 2023–24 तक बिना भण्डार सहायक की ओर से मांग–पत्र प्राप्त किए विभिन्न सामग्री व खाद्य सामग्री क्रय किए जाने के लिए कार्यादेश जारी करना और क्रय सामग्री के सापेक्ष भुगतान कर देना, शासनादेश के विपरीत राज्य कर्मचारी कल्याण निगम से बिना मांग–पत्र प्राप्त किए विभिन्न सामग्री खरीद कर भुगतान करना तथा अन्य बिन्दुओं पर अखिलेख के अनुसार जवाब देना है।

स्टेट बैंक ने चुनाव आयोग को भेजा इलेक्टोरल बॉन्ड्स का डेटा

नई दिल्ली (आभा)। भारतीय स्टेट बैंक ने मंगलवार को इलेक्टोरल बॉन्ड्स का पूरा डेटा चुनाव आयोग को भेज दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को बीते दिन बड़ा झटका देते हुए चुनावी बॉन्ड संबंधी जानकारी का खुलासा करने के लिए समयसीमा को बढ़ाने की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी थी। साथ ही कोर्ट ने आदेश दिया था कि एसबीआई 12 मार्च को कामकाजी घंटे खत्म होने तक इलेक्टोरल बॉन्ड की पूरी जानकारी चुनाव आयोग को दे। एसबीआई ने मंगलवार शाम साढ़े पांच बजे तक पूरा डेटा निर्वाचन आयोग को भेज दिया है।

कांग्रेस ने दूसरी सूची में घोषित किया 43 उम्मीदवार

नई दिल्ली (आभा)। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में कुल 43 नाम हैं। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहाकि पहली लिस्ट का ऐलान हम कर चुके हैं। अब हम दूसरी लिस्ट जारी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की कल बैठक के बाद यह लिस्ट तय की गई है। इसमें असम, मध्य प्रदेश और राजस्थान से चुनाव मैदान में उतर रहे उम्मीदवारों के नाम हैं।

दूसरी लिस्ट में गौरव गोगोई असम के जोरहाट से उम्मीदवार होंगे। वहीं, मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा से नकुलनाथ को टिकट मिला है। लोकसभा चुनाव के लिए राजस्थान के चुरू से राहुल कस्वां, जालोर से वैभव गहलोत उम्मीदवार घोषित हुए हैं। बता दें कि राहुल कस्वां का टिकट भाजपा ने काट दिया था। इसके बाद उन्होंने बगावत कर दी थी। बाद में वह कांग्रेस में शामिल हो गए थे।कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि इस सूची में 43 उम्मीदवारों में से 10 जनरल उम्मीदवार, 13 ओबीसी उम्मीदवार, 10 एससी उम्मीदवार, 9 एसटी उम्मीदवार और 1 मुस्लिम उम्मीदवार है। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश के लिए सोमवार को 60 से अधिक उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा की थी जिनमें करीब 43 पर मुहर लगाई थी।कांग्रेस ने गत शुक्रवार को 39 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी जिसमें सबसे प्रमुख नाम पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का था। उन्हें एक बार फिर से केरल की वायनाड सीट से प्रत्याशी बनाया गया है। कांग्रेस उम्मीदवारों की पहली सूची में 15 उम्मीदवार सामान्य वर्ग और 24 अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक समुदायों के थे।

अमेठी में बदलेंगे 7 रेलवे स्टेशनों के नाम

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के प्रस्ताव को हरी झंडी मिल गई है। स्मृति ईरानी के संसदीय क्षेत्र अमेठी के सात रेलवे स्टेशनों का नाम बदलने का आदेश जारी हो गया है। सभी स्टेशनों का नाम देवी मंदिरों और महापुरुषों के नाम पर कर दिया गया है।

स्मृति ईरानी के प्रस्ताव पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और सर्वे ऑफ इंडिया ने भी हरी झंडी देते हुए अनापत्ति जता दी है। स्मृति ईरानी के प्रस्वात को अक्षरशः मान लिया गया है। इससे पहले यूपी के मुगलसराय, मंडुवाडीह, इलाहाबाद, फैजाबाद, प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशनों का नाम बदला जा चुका है।

स्मृति ईरानी ने कासिमपुर हाल्ट को जायस सिटी, जायस रेलवे स्टेशन को गुरु गोरखनाथ धाम, बनी रेलवे स्टेशन को स्वामी परमहंस, मिस्त्रोली को मां कालिकन धाम, निहालगढ़ को महाराजा बिजली पासी, अकबरगंज रेलवे स्टेशन को मां अहोरवा भवानी धाम, वारिसगंज को अमर शहीद भाले सुल्तानी और फुरसतगंज रेलवे स्टेशन को तपेश्वरनाथ धाम करने का प्रस्ताव दिया था। स्मृति ईरानी ने रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव और गृहमंत्री अमित शाह को इसके लिए पत्र लिखा था। पत्र में अमेठी के सात स्टेशनों की लिस्ट देते हुए सभी का नाम बदलने की मांग की गई थी। वहीं, अमेठी के तिलोई विधानसभा क्षेत्र के फुरसतगंज में नवनिर्मित हवाई अड्डे का नाम बदले के लिए उड्डयन मंत्री ज्योतिराज सिंधिया को पत्र लिखा है।

कृषि क्षेत्र की बेहतरी के लिये एफपीओ को मिलेगा 5 लाख रूपये तक का ऋण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । प्रदेश में कृषि आधारित कार्य पर 65 प्रतिशत आबादी को रोजगार मिलता है। इसको बढाने के लिए कम्पनी अधिनियम तथा शक्तिपोर्टल पर पंजीकृत कृषक उत्पादक संगठको (एफ.पी.ओ.) को सक्रिय रूप से कार्य करने की आवश्यकता है। उक्त जानकारी संयुक्त निदेशक कृषि अविनाश चन्द्र तिवारी ने दी है। वे आयुक्त सभागार में एफ.पी.ओ. की मण्डल स्तरीय मानीटरिंग समिति की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि पंजीकृत एफपीओ को 9 से 11 प्रतिशत ब्याज पर 05 लाख रूपये तक का ऋण दिया जाता है। इस पर 4 प्रतिशत धनराशि अनुदान के रूप में होती है।

उन्होने कहा कि किसानों को बीज उत्पादन करने पर ज्यादा फायदा मिलता है। गेहूँ, धान के मूल्य से लगभग 1500 रूपये अधिक कीमत पर बीज बिकता है। साथ ही सरकार द्वारा 2 साल का बीज उत्पादन में अनुभव होने के बाद 04 लाख रूपये का अनुदान दिया जाता है। इसके अलावा रू0 1.20 करोड़ के कृषि यंत्रों पर 60 लाख रूपये तक का अनुदान दिया जाता है। एफपीओ को कम से कम 50 हेक्टेयर क्षेत्रफल में बीज उत्पादन करना चाहिए।

उन्होने कहा कि पशुपालन, उद्यान, शहद एवं मशरूम उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण एवं कृषि से जुड़े अन्य कार्यो पर भी एफपीओ विभागीय योजनाओं का लाभ लेते हुए कार्य कर सकते है। उन्होने कहा कि एफपीओ का मुख्य उद्देश्य संगठित होकर किसानों के हित में कार्य करना है, जिससे की उनकी खेती में लागत कम हो, बिचौलिए हटाये जा सके तथा बिक्री से होने वाला लाभ सीधे किसानों को मिल सकें।

उपनिदेशक मत्स्य बृजेश कुमार ने बताया कि एफपीओ द्वारा मछुआ समूह गठित करके तालाब में मत्स्य पालन कर सकते है। इससे उनकी आय में वृद्धि होंगी। पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक ने बताया कि नन्दबाबा योजना के अन्तर्गत देशी नस्ल की दो गाय रखने पर 10 हजार रूपये का अनुदान दिया जाता है। सहभागिता योजना के अन्तर्गत पशुपालक अधिकतम 4 गाय गोसंरक्षण केन्द्र से लेकर पालन कर सकता है। इसके लिए उसे 50 रूपये प्रतिपशु प्रतिदिन के हिसाब से उसके भूसा एवं चारा के लिए दिया जाता है। मोबाइल चिकित्सा वैन टोल फ्री नम्बर–1062 पर फोन करके पशु के इलाज के लिए बुलाया जा सकता है।

डीडीएम नाबार्ड मनीष कुमार ने बताया कि एफपीओ कम्पनी अधिनियम के तहत गठित किया जाता है, इसलिए इसको कम्पनी की तरह कार्य करना होगा। इसका उद्देश्य लागत कम करना तथा अधिक से अधिक लाभ अर्जित करना है। इस अवसर पर उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम, अरविन्द कुमार विश्वकर्मा, मो0 मुजम्मिल तथा बस्ती, सिद्धार्थनगर एवं संतकबीर नगर के विभागीय अधिकारी एवं एफपीओ के निदेशकगण उपस्थित रहें।

वाल्टरगंज चीनी मिल के गन्ना किसानों को होली से पहले 50 लाख का होगा भुगतान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । वाल्टरगंज चीनी मिल के किसानों की होली सुखद बनाने के लिए जिलाधिकारी अंद्रा वामसी के पहल पर 50 लाख रूपये की व्यवस्था फेनिल सुगर मिल वाल्टरगंज द्वारा की गयी है। मंगलवार दोपहर में सांसद हरीश द्विवेदी तथा जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी की उपस्थिति में चीनी मिल के प्रतिनिधि ओमपाल सिंह ने 50 लाख रूपये का चेक उन्हें सौपा। जिलाधिकारी ने इसे उप जिलाधिकारी सदर को सौपते हुए शीघ्रातिशीघ्र किसानों के खाते में धनराशि भिजवाने का निर्देश दिया है।

उन्होने यह भी निर्देश दिया कि भविष्य में चीनी मिल द्वारा स्क्रैप की बिक्री से प्राप्त होने वाली धनराशि से किसानों का गन्ना मूल्य भुगतान एवं कर्मचारियों के बकाये का भुगतान किया जायेंगा। उन्होने चीनी मिल प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि कम्पनी की दूसरी बस्ती चीनी मिल का स्क्रैप बेचने से पहले इन्वेन्टरी उप जिलाधिकारी सदर को उपलब्ध करायेंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि चीनी मिल पर गन्ना मूल्य एवं कर्मचारियों का कुल 48 करोड़ बकाया था, जिसमें से अब तक 12 करोड़ रूपया भुगतान किया जा चुका है। पिछले वर्ष चीनी मिल द्वारा 3 करोड़ रूपया दिया गया, जिससे 2 करोड़ रूपया गन्ना मूल्य तथा 1 करोड़ रूपया कर्मचारियों के बकाये का भुगतान किया गया। इस अवसर पर एडीएम कमलेश चन्द्र, उप जिलाधिकारी सदर शत्रुघ्न पाठक, कमलेश पटेल, अंगद वर्मा, महेम पाण्डेय, आज्ञाराम, विरेन्द्र चौधरी, जनार्दन चौधरी, प्रदीप, राकेश राजभर तथा तमाम गन्ना किसान उपस्थित रहें।

जिला पंचायत बोर्ड की बैठक में 47 करोड़ 38 लाख के बजट का अनुमोदन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को जिला पंचायत बोर्ड की बैठक में 47.38,11000.00 के बजट का अनुमोदन किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी ने सदस्यों को आश्वस्त किया कि जनहित के प्रस्तावों पर सदस्यों की सहमति से कार्य कराये जायेंगे। अपर मुख्य अधिकारी विकास मिश्र ने वित्तीय वर्ष 2024–2025 व पुनरीक्षित बजट वित्तीय वर्ष 2023–24 का लेखा जोखा अनुमोदन के लिये प्रस्तुत किया जिसे सदस्यों से सर्व सम्मत से पास कर दिया।

बैठक में ठेकेदारो की पंजीयन शुल्क 625 रूपये से बढ़ाकर 5000 रूपये किये जाने, लागू उपविधि में कुछ व्यवसाय छूट गये है, जो उस समय संचालित नही थे, जैसेरू–यूरिया पम्प, ढाबा, रेस्टोरेन्ट होटल, 03 पहिया वाहन एजेन्सी आदि को बढ़ाते हुए लाईसेन्स शुल्क मे कम से कम 30 प्रतिशत की वृद्धि किया जाना है, जिसपर सदन द्वारा मात्र नये व्यवसासियो से लाईसेन्स शुल्क लिये जाने हेतु अनुमोदित की गयी।

बैठक के अन्त जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी ने सदस्यगण को बैठक में सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आश्वासन दिया गया कि आगामी कार्ययोजना में सभी सदस्यगणों के प्रस्ताव शामिल किये जायेंगे। बैठक में मुख्य रूप से अनिल दूबे ब्लाक प्रमुख कुदरहा, अभिषेक कुमार ब्लाक प्रमुख साऊंघाट और जिला पंचायत सदस्य राजेंद्र चौधरी,नौशाद अहमद,अतीक अहमद, खुशबू जायसवाल,सुभाष चंद्र,असलम,अबू बकर, प्रियंका यादव,उर्मिला, राजपति देवी,अमृता सिंह,अमृता सिंह, शंकर यादव,नीरा सिंह,गुड़िया देवी, राजबहादुर, जटाशंकर सिंह,कंचन, आदित्य प्रताप पांडे,स्वाति सिंह,प्रवीण कुमार सिंह, प्रतिभा वर्मा, जवाहरलाल, कुमारी यादव,अंजुला देवी,गीता देवी,शिव शंकर,प्रमोद कुमार चौधरी,कंचन, राजेश पटेल,अनिल कुमार, मुराती देवी, लवकुश,लता त्रिपाठी, राजकुमार,राम सुरेश, शकुंतला, वीरेंद्र कुमार,ज्योति सिंह,मालती देवी,मोहम्मद खुर्शीद आदि उपस्थित रहे।

शिक्षकों के परिश्रम से बेसिक शिक्षा में बड़ा बदलाव हुआ –अजय सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बीआरसी दुबौलिया के प्रांगण में मंगलवार को बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा उन्मुखीकरण कार्यक्रम खण्ड शिक्षा अधिकारी दुबौलिया विजय आनंद की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि हरैया विधायक अजय सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। खण्ड शिक्षा अधिकारी और शिक्षकों द्वारा मुख्य अतिथि का माल्यार्पण करके स्वागत किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाले और बच्चों को निपुण लक्ष्य हासिल कराने वाले शिक्षकों को सम्मानित करते हुए विधायक अजय सिंह ने कहा कि शिक्षकों की कठिन परिश्रम से बेसिक शिक्षा में बड़ा बदलाव आया है। जिसका उदाहरण यहां भी देखने को मिल रहा है बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों के निपुण होने के लिए जो निर्धारित मानक बनाए गए हैं बड़ी संख्या में बच्चों ने उसको हासिल किया है इसमें सबसे बड़ा रोल हमारे बेसिक के शिक्षकों का है। कहा कि बेसिक शिक्षा और बेहतर हो इसके लिए ग्राम प्रधान, एसएमसी अध्यक्ष और प्रधानाध्यापक के बीच अच्छा समन्वय आवश्यक है। खण्ड विकास अधिकारी सुनील कुमार कौशल, भाजपा नेता सुनील सिंह आदि ने अपने संबोधन में विद्यालयों के विकास से सतत प्रयास के लिए ग्राम प्रधान, एसएमसी अध्यक्ष और प्रधानाध्यापकों के समन्वय से कार्य के लिए प्रेरित किया। कहा कि शासन के मंशा के अनुरूप बेसिक शिक्षा विभाग में गरीब, असहाय और वंचित वर्ग के बच्चों के पठन–पाठन पर विशेष ध्यान रखते हुए विद्यालय की ओर आकर्षित किया जाए।

इस अवसर पर लल्लन चन्द्र त्रिपाठी, अनिल कुमार तिवारी, रवि शंकर यादव, राघवेंद्र प्रताप सिंह, धर्मेंद्र कुमार, महेंद्र लाल, शिवपूजन आर्य, आनंद कुमार दूबे, रंजन कुमार सिंह, महेश कुमार, रामपाल चौधरी, अनिल सिंह, साधूशरण, घनश्याम पाण्डेय, बटुकधार द्विवेदी, बलवंत प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, एसएमसी अध्यक्ष और ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 13 मार्च 2024 बुधवार

सम्पादकीय

चुनावी चंदे पर सुप्रीम निर्णय

पारदर्शी लोकतंत्र में चुनावी चंदे की शुचिता को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अख्तियार करते हुए स्टेट बैंक को हीलाहवाली के लिये आड़े हाथों लिया। चीफ जस्टिस डी.वाई.चंद्रचूड़ ने बैंक की तरफ से पेश दिग्गज वकील हरीश साल्वे की हर दलील को खारिज किया। बॉन्ड की जानकारी देने के बाबत और वक्त मांगने की दलील को खारिज करते हुए पांच सदस्यीय पीठ की अगुवाई कर रहे जस्टिस चंद्रचूड़ ने एसबीआई को निर्देश दिया कि वह बारह मार्च तक इलेक्टोरल बॉन्ड के खरीददारों और लाभान्वित होने वाले राजनीतिक दलों के बारे में जानकारी पेश करे। साथ ही 15 मार्च तक चुनाव आयोग इस बारे में डिटेल अपनी वेबसाइट पर अपलोड करे। ताकि वास्तविक तस्वीर जनता के सामने उजागर हो सके। उल्लेखनीय है कि गत पंद्रह फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को असंवैधानिक घोषित कर दिया था। साथ ही स्टेट बैंक को निर्देश दिया था कि गत छह साल से चल रही इस स्कीम के तहत डोनेशन देने वालों और लाभान्वित होने वालों के नामों की जानकारी चुनाव आयोग को छह मार्च तक उपलब्ध कराए। संवैधानिक बैंच ने बैंक को निर्देश दिये थे कि वह बताए कि किस तारीख को यह बॉन्ड किसने खरीदा और कितने का खरीदा और किस तारीख को किस दल ने इसे भुनाया और यह बॉन्ड कितनी ध नराशि का था। दरअसल, इस बाबत बैंक की तरफ से पेश सीनियर वकील हरीश साल्वे की दलील थी कि बैंक ने गोपनीयता के चलते प्रत्येक बॉन्ड के बारे में मैचिंग डाटा नहीं रखा था, फलतरू इसके मिलान के लिये तीस जून तक वक्त लग सकता है। वजह है कि दान देने व लेने वाले के डेटा अलग–अलग सर्वर पर रखे गए हैं। कोर्ट ने दो टूक कहा कि बैंक को मिलान करने की जरूरत नहीं है, सीधी जानकारी दी जाए। हमने सिर्फ दानदाता और बॉन्ड भुनाने वाले राजनीतिक दलों की जानकारी मांगी थी।

दरअसल, पांच सदस्यीय खंड पीठ की अगुवाई करने वाले मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने बैंक को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कोर्ट को आदेश दिये 26 दिन हो गए हैं, इस समय में डाटा मिलान के लिये बैंक ने क्या काम किया? कोर्ट में आवेदन करने के दौरान छब्बीस दिन के काम का उल्लेख होना चाहिए था। दरअसल, शीर्ष अदालत ने चंदे की गोपनीयता को असंवैधानिक करार दिया था तथा इस बाबत सारी जानकारी पब्लिक डोमेन में लाने की बात कही थी। दरअसल, इस बाबत जानकारी देने के लिये बैंक द्वारा तीस जून तक समय मांगने पर मामले की पैरवी करने वाले सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल व प्रशांत भूषण ने इसे न्यायालय की अवमानना कहा था। वहीं चुनाव सुधार के लिये सक्रिय एडीआर ने एसबीआई को और अधिक समय देने की मांग करने वाली याचिका के खिलाफ अवमानना याचिका दायर की थी। दरअसल, बैंक दलील देता रहा है कि हमें पूरी प्रक्रिया को रिवर्स करने में दिक्कत आ रही है, क्योंकि बैंक को बॉन्ड नंबर पर और बैंकिंग सिस्टम में खरीददारों के नाम न रखने के निर्देश थे। इस बाबत शीर्ष अदालत का कहना था कि बॉन्ड खरीदने वाले को केवाईसी की जानकारी देनी होती थी, अतरू बैंक के पास बॉन्ड खरीदने वाले की जानकारी तो होनी चाहिए। दरअसल, विपक्षी दल केंद्र सरकार को निशाने पर लेते हुए बैंक पर राजनीतिक दबाव के आरोप लगाते रहे हैं। यही वजह है कि बैंक चुनाव से पहले जानकारी सार्वजनिक करने से बचता रहा है। फिलहाल, कोर्ट के आदेश केंद्र को असहज करने वाले हैं क्योंकि चुनावी बॉन्ड का सबसे ज्यादा लाभ सत्तारूढ़ दल को ही मिला है। बहरहाल, कोर्ट ने दो टूक शब्दों में बैंक से कहा कि उसे कोर्ट का पहले दिया हुआ आदेश मानना ही होगा। कोर्ट ने इस मामले में अवमानना के अपने अधिकार का प्रयोग न करने की बात दोहरायी। दरअसल, कोर्ट का मानना रहा है कि इलेक्टोरल बॉन्ड को गोपनीय रखना सूचना के अधिकार और अनुच्छेद 19(1)ए का उल्लंघन है। साथ ही चिंता भी जतायी थी कि गोपनीयता से चंदे के बदले में कुछ अन्य लाभ उठाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल सकता है।

चुनाव आयुक्त अरुण गोयल के इस्तीफे पर उठते सवाल

—योगेन्द्र यादव—

अगर किसी महत्वपूर्ण मैच से ठीक पहले ही अम्पायर को बदल दिया जाए तो आपके मन में कोई सवाल खड़ा होगा? अगर खबर आए कि मैच से एक दिन पहले एक अंपायर ने रहस्यमय स्थिति में इस्तीफा दे दिया है तो आप क्या सोचेंगे? अगर पता लगे कि 3 में से 2 नए अंपायरों की नियुक्ति मैच में खेल रही एक टीम का कैप्टन करेगा तो आपको कैसा लगेगा? अगर यह सब न्यूट्रल यानी निष्पक्ष अम्पायर को नियुक्त करने की सिफारिश के बावजूद हुआ हो तो? आपके मन में पूरे खेल की विश्वसनीयता पर सवाल उठेगा या नहीं?

यही सवाल लोकसभा चुनाव की घोषणा से कुछ ही दिन पहले चुनाव आयुक्त अरुण गोयल के इस्तीफे से करोड़ों भारतीय नागरिकों के मन में उठ रहे हैं। फिलहाल हम इस्तीफे के कारण और परिस्थिति के बारे में कुछ ज्यादा नहीं जानते। बस इतना जरूर जानते हैं कि अरुण गोयल का कार्यकाल 2027 तक का था। अगले साल यानी 2025 में उनके मुख्य चुनाव आयुक्त बनने का नंबर था। ऐसी बड़ी कुर्सी को कोई जल्दी से नहीं छोड़ता। इस्तीफे का कोई व्यक्तिगत कारण हो, ऐसी कोई खबर नहीं है। अगर वास्तव में ऐसा कुछ होता तो सरकार की तरफ से प्रचारित कर दिया जाता।

मीडिया में जो खबर चलाई जा रही है, वह यह कि उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार से मतभेद के चलते इस्तीफा दिया। इस पर भरोसा करना मुश्किल है, क्योंकि अगर व्यक्तिगत मतभेद थे तो अरुण गोयल को अपनी राय रखने का पूरा अधिकार था, उनके वोट का भी उतना ही वजन होता। और अचानक इतना गहरा क्या मतभेद हुआ, जिससे रातों–रात एक संवैधानिक पद से इस्तीफा देने की नौबत आ गई? यूं भी अगर गंभीर मतभेद भी था तो यह कुछ समय की बात थी क्योंकि अगले साल तक तो राजीव कुमार रिटायर हो जाते। अभी तक यह खबर नहीं है कि अगर मुख्य चुनाव आयुक्त से मतभेद था तो किस मुद्दे पर था। बस हम इतना जानते हैं कि दोनों चुनाव आयुक्त पश्चिम बंगाल के दौरे पर थे, वहां चुनावी तैयारी का जायजा ले रहे थे। उस दौरान कुछ ऐसी बात हुई, जिसके बाद अरुण गोयल ने वहां प्रैस कांफ्रैंस में भाग नहीं लिया। अगले दिन चुनाव आयोग में हुई एक औपचारिक बैठक में हिस्सा लिया लेकिन उसके तुरंत बाद किसी को बताए बिना इस्तीफा दे दिया।

खबर यह भी है कि कुछ अफसरों द्वारा मनाने के कोशिश भी हुई लेकिन वह टस से मस नहीं हुए। इससे ज्यादा खबर न तो है, न ही जल्द मिलने को कोई उम्मीद है। हो सकता है कुछ साल बाद किसी पुस्तक के विमोचन पर इसका खुलासा हो, जैसे जनरल नरवणे ने अब एक किताब में बताया कि सेना ने अग्निवीर योजना का विरोध किया था (उस किताब को अभी रोक लिया गया है)। इसलिए सारा देश कयास लगाने पर मजबूर है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की विशेष दिलचस्पी है। अगला चुनाव जीतने के भाजपा के मंसूबे पश्चिम बंगाल में 2021 के चुनाव में हुई जबरदस्त हार को पलटने पर टिके हैं। और उसके लिए पुलिस, सुरक्षा बलों, प्रशासन और चुनाव आयोग का सहयोग बहुत जरूरी है। तो क्या भाजपा पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग से कुछ ऐसा चाहती थी, जिसके लिए मुख्य चुनाव आयुक्त तो राजी थे लेकिन अरुण गोयल असहज थे? या कि मामला सिर्फ पश्चिम बंगाल का नहीं, पूरे देश के स्तर पर था? क्या चुनाव आयुक्त पर कुछ ऐसा करने का दबाव था, जो वह कर नहीं पा रहे थे? क्या उन्होंने अपनी असहमति सरकार में किसी के सामने नहीं रखी होगी? मुख्य चुनाव आयुक्त से असहमति के कारण इस्तीफे की नौबत तभी आती है, अगर कहीं 'ऊपर से' इशारा हो कि चुपचाप से उनकी बात मान लो वरना...!

ऐसा कयास आधारहीन नहीं है। पिछले चुनाव के दौरान भी ऐसी घटना हो चुकी है। उस समय चुनाव आयुक्त थे अशोक लवासा। उन्हें भी मोदी सरकार ने ही चुनाव आयुक्त बनाया था। लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने भाजपा द्वारा चुनावी आचार संहिता के घोर उल्लंघन के कुछ मुद्दों पर चुनाव आयोग की अंदरूनी बैठकों में आपत्ति जताई। चुनाव से पहले नमो चौनल लांच करने को आचार संहिता का उल्लंघन बताया। बाकी दो चुनाव आयुक्तों ने उनकी राय को नहीं माना और भाजपा का कोई नुकसान नहीं हुआ। लेकिन उसी वक्त सरकार की एजेंसियों ने उनकी पत्नी और बच्चों के विरुद्ध जांच करनी शुरू कर दी। उसके बाद 2020 में अशोक लवासा चुपचाप से चुनाव आयोग से इस्तीफा देकर विदेश चले गए और जांच अपने आप बंद हो गई। सवाल है कि अरुण गोयल ने भी कहीं अशोक लवासा जैसी स्थिति से बचने के लिए तो इस्तीफा नहीं दिया? मतभेद मुख्य चुनाव आयुक्त से नहीं, बल्कि सर्वोच्च राजनीतिक सत्ता से थे?

अभी ये कयास ही हैं। अरुण गोयल खुद दूध के धुले हों, ऐसी बात नहीं है। सच यह है कि उनकी नियुक्ति भी इतने विवादास्पद तरीके से हुई थी कि सुप्रीम कोर्ट को उनकी नियुक्ति के तरीके पर कड़ी टिप्पणी करनी पड़ी थी। उस वक्त सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के तरीके को लेकर केस की सुनवाई हो रही थी। सुनवाई के बीच वादी के वकील प्रशांत भूषण ने अनुरोध किया कि इस मामले का फैसला होने तक सरकार को चुनाव आयोग में रिक्त पद को भरने से रोका जाए।

गुरुवार के दिन अदालत ने इस सवाल पर सुनवाई के लिए अगला सोमवार तय किया। लेकिन अगले ही दिन शुक्रवार को सरकार ने आनन–फानन में चुनाव आयुक्त के पद के लिए पैनल बनाया, चयन समिति की बैठक बुलाई और चयन कर लिया। उसी दिन सुबह अरुण गोयल ने वी.आर.एस. के लिए आवेदन किया, शाम तक राष्ट्रपति ने उनका आवेदन स्वीकार कर उन्हें चुनाव आयुक्त के पद पर नियुक्त भी कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में इस घटनाक्रम पर अफसोस जाहिर किया, हालांकि उनकी नियुक्ति को खारिज नहीं किया। ऐसे व्यक्ति का इस्तीफा यह सवाल पूछने को मजबूर करता है कि आखिर चुनाव आयोग से ऐसी कैसी मांग की गई होगी, जिसे पूरा करने को सरकार का विश्वासपात्र व्यक्ति भी संकोच कर गया?

इस प्रकरण से इसी संदेह को बल मिलता है कि चुनाव आयोग पर कुछ असाधारण काम करने का दबाव है, जो सत्ताधारी पार्टी के 400 पार के मिशन का रास्ता आसान कर दे। पिछले काफी समय से चुनाव आयोग के रुख ने इसी संदेह को पुष्ट किया है। पुणे में संवैधानिक मर्यादा का ल्लंघन कर उपचुनाव न करवाना, भाजपा के नेताओं के बयानों पर आंख मूंद कर केवल राहुल गांधी को चेतावनी देना हाल ही के ऐसे कदम हैं, जो ड्क्षचता का कारण हैं। यहां गौरतलब है कि पिछले 10 महीने से विपक्ष चुनाव आयोग से ई. वी.एम. को लेकर एक बैठक मांग रहा है, लेकिन चुनाव आयोग ने एक बैठक का समय भी नहीं दिया।

ऐसे में सरकार द्वारा चुनाव से ठीक पहले 2 नए आयुक्तों की नियुक्ति लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। इस बीच सुप्रीम कोर्ट यह फैसला दे चुका है कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति केवल सरकार को नहीं करनी चाहिए, इसके लिए एक निष्पक्ष व्यवस्था होनी चाहिए। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के सुझाव को नजरअंदाज कर सरकार ने नया कानून बनाया है और फिर चुनाव आयोग की नियुक्ति प्रधानमंत्री और उनके ही एक मंत्री के बहुमत वाली समिति के हाथ में दे दी है। अगर इस तरीके से 2 नए चुनाव आयुक्त चुने जाते हैं, तो पूरी चुनाव व्यवस्था पर सवाल उठने लाजिमी हैं। अब जिम्मेदारी सुप्रीम कोर्ट की है। अगर उसे अपने ही फैसले का सम्मान करना है तो सरकार द्वारा चुनाव से पहले चुनाव आयोग में नई नियुक्तियों को रोकना होगा और इन नई नियुक्तियों को कोर्ट द्वारा तय किए गए तरीके से करवाना होगा, जिसमें चयन समिति में प्रधानमंत्री और नेता विपक्ष के साथ मुख्य न्यायाधीश भी शामिल हों। सवाल सिर्फ एक चुनाव आयुक्त के इस्तीफे का नहीं, बल्कि पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था की साख का है।

नकली दवाओं के कारोबार पर हो नियंत्रण

—राजेश माहेश्वरी—

पिछले दिनों उत्तर प्रदेष के गाजियाबाद में औषधि विभाग, अपराध शाखा और पुलिस के छापे में 1.10 करोड़ रुपए की नकली दवाएं बरामद की गई हैं। नकली दवाएं पकड़ने की खबर ने लोगों को अंदर तक हिला दिया। वैसे ये कोई पहला अवसर नहीं है कि देश में नकली दवाएं पकड़ी गई हों। लेकिन पिछले कुछ सालों में ऐसी घटनाओं में जो बढ़ोत्तरी देखने को मिली है, वो चिंता का बड़ा कारण है। देश में आए दिन नकली दवाइयों का भंडाफोड़ होना शर्मनाक है। उससे भी दुखद है राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में नकली दवा कंपनी का पकड़े जाना। यह न केवल स्वास्थ्य के साथ अनदेखी है बल्कि देश के साथ शत्रुता के समान है।

देश की राजधानी से सटे गाजियाबाद से लेकर यह नापाक और जानलेवा धंधा तेलंगाना, महाराष्ट्र तक फैला है। कोई गंभीर सजा नहीं। कोई गंभीर वार नहीं। कोई प्रशासनिक हस्तक्षेप और खौफ नहीं। आश्चर्य है कि जहां से नकली दवाएं पकड़ी गई हैं, वे मधुमेह, रक्तचाप और गैस सरीखी गंभीर बीमारियों की ब्रांडेड औषधियों की नकली दवाएं थीं।

भारत की जनसंख्या अधिक है इसलिए उसी अनुपात में यहां बीमारियां और बीमार लोगों की संख्या भी बहुत है। इसी का फायदा लालची लोग उठाते रहे हैं। बताते हैं कि पैसे की हवस में आम नागरिकों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाले नकली दवाइयों के शातिर शिकारियों की सरपरस्ती में देश की राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्र में नामी देसी और विदेशी कंपनियों की ब्रांडेड नकली दवाएं कारखानों में बन रही थी, जिसे ट्रांसपोर्ट कंपनी के जरिए कुरियर किया जा रहा था। गिरोह से जुड़े सप्लायर दुकानों तक इन्हें पहुंचाते थे, जिसे जरूरतमंद जनता दवा समझ कर खरीद रही थी।

भारत में नकली दवाओं का कारोबार आज से ही नहीं बल्कि लम्बे समय से फल–फूल रहा है। साल 2012 में नकली सिरप की सप्लाई और सितम्बर 2013 में फार्मा कम्पनी रेन वैक्सिंग पर नकली दवाओं के उत्पादन के लिए पाँच सौ मिलियन अमेरिकी डॉलर की पेनल्टी लगायी गयी थी। इसके साथ 2014 में जर्मनी ने अस्सी भारतीय दवाई निर्माता कंपनियों को निलंबित किया था। यह सब बातें बताती हैं कि ये नकली दवाओं का कारोबार काफी पुराना और फैला हुआ है।

अगर नकली दवाओं के चलन की बात की जाये तो यह इतना बढ़ गया है, कि जेनेरिक दवा जैसे पेन किलर, एंटीबायोटिक, हृदय की दवा, और कैंसर जैसी गम्भीर बीमारियों की भी नकली दवाएं आज बाजार में उपलब्ध हैं। डब्लूएचओ की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत के बाजारों में उपलब्ध ा दस प्रतिशत दवाएं नकली हैं। यानि हर दस में से एक दवा नकली है। वहीं एसोचैम का कहना है कि बाजार में पच्चीस प्रतिशत दवाएं नकली हैं। इन नकली दवाओं के व्यापक प्रभाव के बारे में एक सर्वे बताता है, कि भारत में लाखों–करोड़ों लोग हर रोज ऐसी दवाइयों का सेवन कर रहे हैं, जिनसे या तो उनकी बीमारी जस की तस बनी रहती है या फिर बढ़ जाती है। इनके सेवन से मौत तक हो जाने के कई गम्भीर मामलें भी सामने आते रहे हैं।

आज एक ओर सर्दी–जुकाम, बुखार और दर्द से निजात दिलाने वाली दवाएं सर्वाधिक खराब और बेअसर साबित हो रही हैं जिसके चलते इलाज लम्बा खिच जा रहा है और छोटी–छोटी बीमारियां घातक रूप ले ले रही हैं। आश्चर्य तब ज्यादा होता है, जब इन फर्जी कंपनियों के प्रतिनिधि डॉक्टरों के पास जाते हैं, उन्हें लुभावनी पेशकश के पैकेज दिए जाते हैं, जाहिर है कि ऐसे डॉक्टर भी नकली दवाएं लिखते होंगे! वे भी अपने पेशे, नैतिक संकल्प और मानवीय जिंदगियों से खिलवाड़ करते हैं।

मीडिया रिपोटर्स के मुताबिक, भारत में नकली दवाओं के उत्पादन और प्रसार का बाजार करीब 35,000 करोड़ रुपए का है। यह कोई सामान्य आंकड़ा नहीं है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि कितने व्यापक स्तर पर नकली दवाएं बनाई जा रही हैं और औसत बीमार आदमी को बेची जा रही हैं! कितनी बीमारियां घनीभूत हो रही हैं और कितनों पर मौत का साया मंडरा रहा है? यह बाजार इतना व्यापक कैसे बना, यह हमारी प्रशासनिक और जांच संस्थाओं पर बड़ा सवाल है।

तेलंगाना सरकार ने 'मेग लाइफ साइंसेज' द्वारा निर्मित 33 लाख रुपए से ज्यादा की तीन दवाओं की जांच की थी। उनमें औषधि का कोई भी तत्व नहीं पाया गया। औषधि नियंत्रण प्रशासन ने खुलासा किया था कि उन नकली दवाओं में केवल चॉक पाउडर और स्टार्च मिलाया गया था। तेलंगाना में पकड़ी गई कंपनी ने कागज पर हिमाचल में मुख्यालय होने का दावा किया था, लेकिन वहां भी ऐसी कोई कंपनी नहीं पाई गई। न जाने ऐसी कितनी कंपनियां देश में 'जहर' बेच रही हैं? बीते सप्ताह उत्तराखंड में भी ऐसे ही नकली दवाओं के रैकेट का पर्दाफाश किया गया था।

विश्व बैंक के मापदंड के अनुसार, डेढ़ सौ दुकानों तथा पचास दवा निर्माताओं के बीच एक दवा निरीक्षक होना चाहिए। भारत में यह पैमाना दूर–दूर तक लागू नहीं है। दवाइयों की जांच प्रयोगशालाओं में मौजूद उपकरणों और रसायनों की दयनीयता का तो कहना ही क्या! नकली दवाओं से मरीज को ऐसी बीमारी हो सकती है जिसका इलाज शायद ही हमारे पास हो। आज भारत में नकली दवाओं की सप्लाई इतनी बढ़ गयी है कि लाखों–करोड़ों लोगों की जान पर बन गयी है। ऐसी घटनाएँ उस घटिया व्यवस्था की ही देन हो सकती है, जहाँ चन्द बड़ी कम्पनियों के मुनाफा के अलावा कुछ नहीं देखा जाता हो।

एक ऐसे समय में जब भारत का दवा उद्योग दुनिया की नई फार्मेसी के रूप में रेखांकित हो रहा है, नकली दवाओं का जखीरा भारतीय दवाओं की साख को फिर से कटघरे में खड़ा कर रहा है। पिछले वर्ष भारतीय कंपनियों द्वारा तैयार कुछ दवाओं की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठे थे। खासकर जांबिया और उज्बेकिस्तान में बच्चों की मौत को भारत में बनी खांसी की दवा से जोड़ा गया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि भारत में बनी खांसी की दवा डाइथेलेन ग्लाइकोल और इथालेन ग्लाइकोल इंसान के लिए जहर की तरह है। यही कारण था कि भारत से अफ्रीकी देशों को होने वाला दवा निर्यात वित्त वर्ष 2022–23 में 5 फीसदी घट गया। नकली दवाओं का हजारों करोड़ का कारोबार देश की प्रसिद्ध दवा कंपनियों के लिए भी खतरा हैं, क्योंकि उन्हीं के ब्रांड पर नकली दवाएं बेची जा रही हैं। क्या सरकार को यह साजिश, कुकर्म और तिजौरियां भरने के लालच का दुष्चक्र नहीं पता?

नकली दवाओं की बिक्री का मामला बेहद गंभीर है लेकिन यह आसानी से पकड़ में नहीं आ पाता। इसकी वजह है कमजोर निगरानी तंत्र। अगर नियमित तौर पर यह विभाग जांच पड़ताल करे तो नकली दवाएं बेचने वालों की लगाम कसी जा सकती है। मौजूदा परिस्थितियों में भारतीय दवाओं से संबंधित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य पर कई सुधार मूलक जरूरतें अनुभव की जा रही हैं। नकली दवाओं के जोखिम का विश्लेषण करते हुए सरकार द्वारा शीघ्र स्व नियामक संस्था को अमली जामा पहनाना होगा।

चिंतित पहलू यह भी है कि ऐसे नकलीबाज दवा कारोबारियों को जो कानूनी सजा मिलती रही है, वह अपेक्षाकृत बहुत कम है। अधिकतर मामलों में वे जमानत पर छूट जाते हैं या रसूखदारों की सिफारिशों पर उन्हें रिहा कर दिया जाता है। दरअसल यह परोक्ष रूप से हत्या के मामले हैं। चूंकि यह धंधा ही देश के साथ शत्रुता के समान है, लिहाजा यह देशद्रोह भी है। इसी के साथ जो डाक्टर नकली दवाएं मरीजों के लिए लिखते हैं, उन पर भी कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। नई 'न्याय संहिता' में इसका दंड तय किया गया होगा, लिहाजा अब उन धाराओं में इन कारोबारियों को दंडित किया जाना चाहिए। –लेखक राज्य मुख्यालय पर मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।

चीन के खतरनाक मंसूबे

—डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव—

भारत व अमेरिका से लगातार चल रहे तनाव के बीच चीन ने एक बार फिर से अपने रक्षा बजट में भारी–भरकम बढ़ोतरी की है। चीन ने 7.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वर्ष 2024 का रक्षा बजट 1.67 ट्रिलियन युआन अर्थातद्द 232 अरब डॉलर कर दिया है। चीनी रक्षा बजट की यह वृद्धि बीते पांच सालों में सबसे ज्यादा है। दावा है कि अब चीन दुनिया में अमेरिका के बाद रक्षा बजट पर सबसे अधिक खर्च करने वाला दूसरा देश है। चीन की विधायिका की वार्षिक बैठक के उद्घाटन सत्र में 5 मार्च को आधिकारिक रक्षा बजट के आंकड़े की घोषणा की गई। विदेशी विशेषज्ञ मानते हैं कि यह धनराशि सत्तासीन कम्युनिस्ट पार्टी की सैन्य शाखा पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा किए गए खर्च का केवल एक अंश है।

चीनी रक्षा बजट भारतीय रुपयों में 19.23 लाख करोड़ रुपयों से ज्यादा है। चीन की तुलना में भारत का 2024–25 के लिए घोषित रक्षा बजट 621541 करोड़ रुपये है। इस तरह चीन का रक्षा बजट भारतीय रक्षा बजट से तीन गुना से भी ज्यादा है। चीन ने वर्ष 2023 में भी अपना रक्षा बजट 7.2 फीसदी तथा वर्ष 2022 में 7.1 फीसद बढ़ाया था। दरअसल, चीन दुनिया की नंबर एक सेना बनने की होड में रक्षा बजट में पिछले नौ वर्षों से लगातार इजाफा कर रहा है।

चीन ने अपना रक्षा बजट ऐसे समय बढ़ाया है जब उसकी अर्थव्यवस्था काफी बुरे दौर से गुजर रही है। पिछले साल चीन की आर्थिक ग्रोथ 5.2 प्रतिशत थी जबकि इस साल इसके 4.6 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। चीन की तेज आर्थिक ग्रोथ में एक लम्बे समय तक वहां की प्रॉपर्टी सेक्टर की विशेष भूमिका रही है। लेकिन फिलहाल प्रॉपर्टी सेक्टर की कुछ कंपनियां दिवालिया हो गई हैं और सरकार इनको उबारने के मूड में नहीं है। पहले आर्थिक ग्रोथ कम होने पर चीनी सरकार एक्सपोर्ट बढ़ाती थी और सरकारी मदद दी जाती थी पर अब ऐसा नहीं है। फिलहाल चीन सरकार ने इस साल के लिए 5 प्रतिशत ग्रोथ का लक्ष्य रखा है जो उसके मानक के हिसाब से कम है।

दरअसल, शी जिनपिंग ने अपनी सेना को वर्ष 2027 तक विश्वस्तरीय सेना बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। साथ ही चीनी सेना को वर्ष 2035 तक पूरी तरह से अत्याधुनिक बनाने का लक्ष्य भी है। इसी वजह से चीन अपना रक्षा बजट लगातार बढ़ा रहा है। शी जिनपिंग अपनी चीनी सेना को इतनी आधुनिक बनाना चाहते हैं कि उनकी सेना संसार के किसी छोर पर या किसी भी देश के खिलाफ युद्ध में विजय हासिल कर सके।

दरअसल राष्ट्रपति शी जिनपिंग यह नहीं चाहते हैं कि उनके सैनिकों को युद्ध लड़ने को रणक्षेत्र में उतरना पड़े। इसीलिए चीन अत्याधुनिक हथियार, मजबूत थियेटर कमांड, स्टील्थ तकनीक व लड़ाकू तकनीक के क्षेत्र में अधिक पैसा लगा रहा है। इनके विकास के बाद युद्ध में लड़ाकू जेट विमान, ऑटोनॉमस हथियार व अत्याधुनिक मिसाइलें बड़ी भूमिका निभाएंगी। हाल के वर्षों में चीन ने कई बड़े सैन्य सुधार किए हैं। दूसरे देशों में अपने प्रभाव का विस्तार करने के लिए नौसेना और वायुसेना को प्राथमिकता के आधार पर विस्तार दिया है। अब चीन नई रोबोट आर्मी तैयार कर चुका है और इसकी तैनाती भी भारतीय सीमा के नजदीक करनी शुरू कर दी है। उसने भारतीय सीमा के नजदीक आर्मी विलेज भी बसा दिए हैं। चीन अमेरिका को पीछे छोड़ता हुआ दुनिया की सबसे बड़ी नौसैन्य ताकत बन रहा है। विगत दो तीन वर्षों में चीनी नौसेना में जितने युद्धपोत और पनडुब्बियां शामिल की गई हैं उतने शायद अमेरिका की नौसेना में न हों। इतने हथियारों की बढ़ोतरी के बाद भी उसकी भूख कम नहीं हुई है। चीन की रक्षा ताकत बढ़ाने वाली यह नीति आने वाले समय में विश्व को नए युद्ध में धकेलने में देर नहीं लगाएगी। इन योजनाओं का मकसद यही है कि चीन का अमेरिका, ताइवान, जापान व भारत के साथ जारी तनाव और हिन्द महासागर व दक्षिण चीन सागर में मिलने वाली चुनौतियों से निपटने में उसका सैन्य पक्ष कमजोर न पड़े। चीन के नीति–नियन्ताओं के मुताबिक सेना को अत्याधुनिक बनाये जाने के फोकस को देखते हुए रक्षा बजट बढ़ाया गया है। चीन का ध्यान स्टील्थ लड़ाकू विमान, विमानवाहक पोत, सेटेलाइटरोधी मिसाइल समेत नई सैन्य क्षमता विकसित करने पर है।

15 मार्च को सीएम योगी करेंगे मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय का शिलान्यास

संवाददाता–बलरामपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आगामी 15 मार्च को मां पाटेश्वरी राजकीय विश्वविद्यालय का शिलान्यास करेंगे। इसके साथ ही सीएम नगर से सटे फुलवरिया बाइपास पर बने ओवर ब्रिज का भी लोकार्पण करेंगे। इसकी तैयारियां जोर–शोर से शुरू कर दी गई हैं। मंगलवार को जिलाधिकारी के नेतृत्व में अधिकारियों की पूरी टीम ने शिलान्यास स्थल कोयलरा गांव की जमीन का निरीक्षण किया। डीएम ने तैयारियों का जायजा लेते हुए आवश्यक निर्देश दिया है। सीएम शिलान्यास स्थल पर जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

बलरामपुर में जिला मुख्यालय से बहराइच रोड के बौद्ध परिपथ के समीप कोयलरा गांव में मां पाटेश्वरी राजकीय विश्वविद्यालय की स्थापना होनी है। इसके लिए लगभग सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आगामी 15 मार्च को विश्वविद्यालय का शिलान्यास करेंगे। जिलाधिकारी अरविंद सिंह ने बताया कि मां पाटेश्वरी राजकीय विश्वविद्यालय के निर्माण के लिए 65 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण कर लिया गया है। जो जमीन अधिगृहित की गई उसमें 12 हेक्टेयर जमीन ग्राम समाज की थी, शेष जमीनें किसानों की थी जिनसे बैनामा लिया गया है। उन्होंने बताया कि बैनामा कराने के बाद किसानों को धनराशि भी दे दी गई है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान 14 मार्च को जिले में आएंगे। सीएम योगी शाम को शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर पहुंचेंगे, जहां पर वह रात्रि विश्राम करेंगे। इसके पश्चात 15 मार्च को वह कोयलरा गांव में मां पाटेश्वरी राजकीय विश्वविद्यालय के शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री फुलवरिया बाइपास पर बने नवीन ओवरब्रिज का भी लोकार्पण करेंगे। डीएम ने बताया कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को दृष्टिगत रखते हुए युद्धस्तर पर तैयारियां कराई जा रही हैं। मंगलवार को जिलाधिकारी के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम ने शिलान्यास स्थल का दौरा कर तैयारियां का जायजा लिया। शिलान्यास स्थल पर पार्किंग व अन्य व्यवस्थाओं को लेकर सम्बन्धित को आवश्यक निर्देश दिया है, क्योंकि विश्वविद्यालय शिलान्यास कार्यक्रम में देवीपाटन मंडल के सभी जनप्रतिनिधि व अधिकारी शामिल होंगे। निरीक्षण के दौरान एसपी केशव कुमार, सीडीओ संजीव कुमार मौर्य, एडीएम न्यायिक प्रमोद कुमार, सदर एसडीएम राजेन्द्र बहादुर सहित कई अन्य अधिकारी मौजूद थे। विश्वविद्यालय की स्थापना बलरामपुर में हो इसके लिए व्यापक स्तर पर मुहिम छेड़ने वाले समाजसेवी सर्वेश सिंह ने पिछले शुक्रवार को मुख्यमंत्री से उनके लखनऊ स्थित सरकारी आवास 5–कालीदास मार्ग पर मुलाकात की थी। सर्वेश सिंह मुख्यमंत्री योगी के काफी करीबी हैं। सर्वेश सिंह ने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री योगी से आचार संहिता लगने के पूर्व विश्वविद्यालय के शिलान्यास का अनुरोध किया था। बताया कि इस पर सीएम योगी ने सकारात्मक आश्वासन दिया था। मुलाकात के बाद ही सीएम ने शिलान्यास का कार्यक्रम तय किया।

विश्वविद्यालय का निर्माण होते ही बलरामपुर जनपद पूरे देवीपाटन मंडल में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी जनपद हो जाएगा। हालांकि नगर में तराई का आक्सफोर्ड कहा जाने वाला एमएलके पीजी कालेज यहां पर संचालित है जिसे बलरामपुर से लेकर गोरखपुर तक ख्याति प्राप्त है। अब जब यहां पर विश्वविद्यालय का निर्माण हो जाएगा तो इसकी प्रसिद्धि और भी बढ़ जाएगी। जिलाधिकारी अरविंद सिंह ने बताया कि मां पाटेश्वरी के नाम पर देवीपाटन मंडल में विश्वविद्यालय की सौगात सरकार ने दी थी। मुख्यमंत्री की इच्छा थी कि इसकी स्थापना बलरामपुर में कराई जाए क्योंकि यह जनपद मंडल के केन्द्र बिन्दु में है। इससे मंडल के चारों जिले के छात्र–छात्राओं को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि सरकार ने विश्वविद्यालय निर्माण के लिए 51 करोड़ 20 लाख रुपए की प्रथम किश्त जारी कर दी है जिससे निर्माण कार्य में तेजी आएगी।

ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से महिला की मौत

संवाददाता–बलरामपुर। श्रीदत्तगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत गुमड़ी विशेनपुरवा गांव के समीप मंगलवार की सुबह ट्रैक्टर–ट्राली की चपेट में आने से एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। महिला कल हुई बाइक दुर्घटना में जान गंवाने वाले युवकों के परिजनों से मिलकर घर वापस जा रही थी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। थाना रेहरा बाजार अंतर्गत अगया बुजुर्ग गोकुलनगर निवासी 65 वर्षीय गेंदा पत्नी राम अभिलाख पैदल ही घर से गुमडी विशेनपुर बाइक दुर्घटना से जान गंवाने वाले युवकों के परिजनों से मिलकर घर वापस जा रही थी। इस बीच जैसे ही विशेनपुरवा गांव के समीप गोंडा उतरौला मुख्य मार्ग पर पहुँची कि पीछे से आ रहे ट्रैक्टर–ट्राली की चपेट में आ गई। जिससे घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने ट्रैक्टर चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मौत की सूचना मिलते ही दलबल के साथ मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी अनिल कुमार दीक्षित ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। उधर मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

18 महीने में सेवा के लिए तैयार होगा सरस्वतीदेवी शिवकिशन दम्मानी भवन –रामकुमार भूतड़ा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या में श्री अखिल भारतीय महेश्वरी सेवा सदन पुष्कर द्वारा सरस्वतीदेवी शिवकिशन दम्मानी भवन भव्य भूमिपूजन एवं शिलान्यास समारोह लोकसभा सब के सभापति के साथ राजस्थान सरकार की पुरी कैबिनेट अयोध्या में पहुंची पूजन किया सभी का आभार व्यक्त करते हुए महेश्वरी सेवा सदन के अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा प्रेस से मुखातिब हुए और बताया कि माहेश्वरी समाज सेवा को ही सर्वोपरि मानता है और अयोध्या में जिस भवन का शिलान्यास अयोध्या के संतो महंतों राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और लोकसभा के सभापति ओम बिरला द्वारा किया गया है उसे पर हमारा प्रयास रहेगा की 18 महीने में इस भवन से हम सेवा संचालित करने लगे। उन्होंने बताया हम 11 तीर्थस्थलों में सेवा भाव से सेवा व्यवसाय के लिए हम इसका निर्माण नहीं करा रहे है। इस भवन पर जितना अधिकार हमारे समाज का है उतना अधिकार अयोध्या में आनेवाले श्रद्धालुओं भक्तों का रहेगा किसी से ऐसी राशि नहीं ली जाएगी जिससे उसकी कष्ट हो। उन्होंने बताया कि हम भगवान शिव के वंशज हैं और भगवान शिव प्रभु श्री राम दोनों एक दूसरे के पूरक हैं इसलिए अयोध्या की सेवा माहेश्वरी समाज के लिए बहुत ही उत्साह देने वाली है। उन्होंने बताया कार्यक्रम में थोड़ा कम समय मिला इससे तैयारी बहुत अधिक नहीं हो सकी लेकिन भगवान शंकर की कृपा से सभी कार्य सकुशल संपन्न हुए मैं अपने समाज के तरफ से सभी का आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने बताया भवन में 300 कमरे की सेवा के साथ गौ सेवा चिकित्सा सेवा व्यायाम सेवा भी उपलब्ध रहेगी। उन्होंने यह भी बताया माहेश्वरी समाज सभी तीर्थ में उत्तम भोजन की भी सेवा करता है भवन निर्माण होने के इस सेवा का अयोध्या प्राण प्रतिष्ठा के समय समाज द्वारा अयोध्या में वृहद भंडारे का संचालन भी किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रारंभ अच्छा हो तो समझो कार्य पूर हो गया। हमारा कार्य अयोध्या के साथ–साथ नासिक बद्रीनाथ सहित देश के दर्जनों तीर्थ स्थलों पर चल रहा है। समाज द्वारा वृद्ध आश्रम सेवा शिक्षा सेवा चिकित्सा सेवा भोजन की सेवा निरंतर की जाती है। जब जब देश पर कोई आपदा आती है तो माहेश्वरी समाज आगे बढ़कर के सेवा देता है चाहे वह कोरोना कल हो या अन्य कोई। उन्होंने कहा कि 18 महीने के अंदर भवन का निर्माण करके भगवान श्री राम की जन्मस्थली में सेवा प्रारंभ करदी जाएगी। उनके साथ केशरीचंद तापड़िया भी मौजूद रहे।

शराब के नशे में बड़े भाई की धारदार हथियार से हमला कर हत्या

संवाददाता–बहराइच। जिले के कोतवाली देहात क्षेत्र में सोमवार रात को बड़े भाई की छोटे भाई ने धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। मामले की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाली देहात के टिकोरा मोड़ निवासी हरी चंद्र यादव (35) पुत्र राम पाल से सोमवार को छोटे भाई मौजी यादव से विवाद हुआ था। ग्रामीणों के मुताबिक शराब के नशे में हुए विवाद में दोनों के बीच जमकर मारपीट हुई। छोटे भाई ने बड़े भाई पर धारदार हथियार से हमला कर दिया जिससे वह घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। परिवार के लोग रात 11 बजे के आसपास घायल हरी चंद्र को लेकर मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां पर डॉक्टर ने हरी चंद्र को मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक बीके मिश्रा ने बताया की आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद आरोपी फरार है जिसे पुलिस तलाश कर रही है।

स्कूल में बच्चों को नेत्र परीक्षण कर दिया परामर्श

संवाददाता–गोण्डा। मंगलवार को प्राइमरी स्कूल बरवलिया में स्कूल स्क्रीनिंग कार्यक्रम के तहत 8 से 14 साल के बच्चों के नेत्र संबंधी सभी बीमारियों की जांच की गई। इसमें नेत्र दोष से पीड़ित बच्चों के चश्मे की जांच की गई। अन्य बीमारियों के लिए वरिष्ठ डॉक्टरों को दिखाने के लिए सलाह दी गई। यह जानकारी नेत्रपरीक्षण अधिकारी एके गोस्वामी ने दिया। दूसरी तरफ करनैलगंज के गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा में निशुल्क नेत्र परीक्षा शिविर का आयोजन किया गया। इसमें इंदिरा गांधी आई हॉस्पिटल लखनऊ की टीम ने मरीजों का नेत्र परीक्षण कर उचित परामर्श दिया गया।

सीएए लागू होने के बाद जिला प्रशासन अलर्ट, पुलिस की पैनी नजर

संवाददाता–कुशीनगर। सीएए लागू होने के बाद जिला प्रशासन अलर्ट मोड में है। पूरे जिले में शांति व कानून व्यवस्था कायम रखने को लेकर पुलिस ने गश्त तेज कर दी है। पुलिस संवेदशील इलाकों में पहले से फ्लैग मार्च कर रही है। पुलिस फोर्स का सभी थाना क्षेत्रों के सघन इलाकों में पैदल मार्च जारी है। सभी थानेदार अपने इलाकों की हर गतिविधि पर पैनी नजर रखे हैं। खुफिया टीम को भी सक्रिय कर दिया गया ताकि समाज में किसी तरह की अशांति फैलाने की कोशिश पर तत्काल प्रभावी ढंग से रोक लगा दी जाए। एसपी धवल जायसवाल ने बताया कि जिले में सभी जगह शांति व कानून व्यवस्था कायम रहे, इसे लेकर पुलिस पहले से तैयार है। रोज शाम को सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस पैदल मार्च करती है। संवेदनशील इलाकों पर विशेष तौर से नजर रखी जाती है। सोशल मीडिया पर भी पैनी निगाह रखी जा रही है। खास तौर से समाज में अशांति पैदा करने वाले या अफवाह फैलाने वाले संदेशों पर पुलिस की नजर है। ऐसे लोगों को चिह्नित कर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। चुनाव को लेकर अराजक तत्वों को चिह्नित करने व उन पर लगाम लगाने का कार्य निरंतर जारी है। सीएम के कार्यक्रम से पहले ही डीएम की आरे से गठित सुपर जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेटों को थाना, चौकी व कस्बावार शांति व कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी गयी थी। डीएम का वह आदेश जिले में अब भी लागू है।

जिले की प्राचीन श्रीरामजानकी मंदिर मठ कसया के पुजारी देव नारायण शरण का कहना है कि भारत सरकार द्वारा लाये गए सिटीजन अमेंडमेंट एक्ट (सीएए) का स्वागत करते हुए मैं प्रधानमंत्री को धन्यवाद देता हूं। इस एक्ट से वर्षों से उपेक्षित हिंदुओं को न्याय मिलेगा और उनका जीवन स्तर उन्नयन होगा। यह नागरिकता देने वाला एक्ट है न कि लेने वाला। सभी भारतीयों को इसका स्वागत करना चाहिए। बौद्ध गुरु महेंद्र भंते का कहना है कि देश की एकता और अखंडता के लिए सीएए कानून आवश्यक था। इस कानून के बन जाने से लंबे समय से देश में गैर देश से आकर निवास कर रहे लोगों को सहूलियत मिलेगी। इसको लेकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद। पडरौना के नौका टोला स्थित मस्जिद के ईमाम मौलाना अब्दुल्लाह का कहना है कि सीएए लागू करने में कुछ गलत नहीं है। यह अन्य देशों से आकर भारत में रह रहे लोगों को नागरिकता देने का कानून है। मेरा कहना है कि इसमें सभी वर्ग के लोगों को शामिल करना चाहिए।

ईओ और अध्यक्ष के खिलाफ सभासदो ने खोला मोर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

महराजगंज। नगर पालिका परिषद महाराजगंज के अध्यक्ष व ईओ पर तानाशाही का आरोप लगाते हुए सभासदों ने मंगलवार को होने वाली बोर्ड की बैठक का बहिष्कार किया।बाह में काली पट्टी बांध विरोध प्रदर्शन करते हुए नगर पालिका परिषद में ही धरने पर बैठ गए। सभासदों का कहना है कि नगर पालिका के अध्यक्ष व ईओ मनमाने तरीके से कार्य कर रहे हैं। सभासदों की बात पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है ।पूरी तरह तानाशाही व अराजकता का माहौल है।सभासद इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे ।लोकतांत्रिक व्यवस्था को बहाल करने के लिए जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती तब तक वह बोर्ड की बैठक में शामिल नहीं होंगे। विरोध प्रदर्शन के साथ सभासदों ने नगर पालिका से नौ बिंदुओं पर सूचना मांगी है। इस मामले में नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी आलोक कुमार का कहना है कि सभी सभासदों की मांगों पर कार्रवाई की जा रही है कुछ सूचनाएं तात्कालिक है जिसे मुहैया करा दिया जाएगा। कुछ सूचनाओं को एकत्रित करने में थोड़ा समय लगेगा वह भी प्राथमिकता के आधार पर मुहैया कर दिया जाएगा। सभासदों के मांग पत्र पर करवाई का ब्यौरा मुहैया कराने के लिए निर्देश दिया गया है। पूरी उम्मीद है जल्द ही गतिरोध खत्म हो जायेगा।

राममंदिर आंदोलन के लिए सर्वस्व न्योछावर कर दिया –विश्वेश प्रपन्नाचार्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। ऐतिहासिक सुग्रीवकिला आश्रम में भगवान राजराजेश्वर सरकार के ब्रहमोत्सव व श्रीमज्जगद्गुरू रामानुजाचार्य स्वामी पुरूषोत्तमाचार्य महराज का पंचम वैकुंठोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्रीमद जगद्गुरु महराज के बैकुंठ उत्सव पर सप्त दिवसीय कथा का आयोजन हुआ और 12 मार्च को श्रद्धांजलि सभा के साथ वृहद भंडारे का आयोजन किया गया।सुग्रीवकिला के वर्तमान पीठाधीश्वर श्रीमज्जगद्गुरू रामानुजाचार्य स्वामी विश्वेश प्रपन्नाचार्य महाराज ने बताया कि गुरूदेव स्वामी पुरूषोत्तमाचार्य महाराज रामजन्मभूमि आंदोलन के अग्रणी पंक्ति के योद्धाओं में से एक थे। उन्होंने राममंदिर के लिए अपना सर्वस्य न्यौछावर कर दिया। जीवन के अंतिम दिनों तक रामजन्मभूमि मुक्ति आंदोलन में लगे रहे। वह हम लोगों के बीच में नही हैं। लेकिन आज उनका सपना साकार हो रहा है। श्रीरामजन्मभूमि पर भव्य मंदिर का कार्य प्रारम्भ हो गया है। जल्द ही हमारे रामलला दिव्य भवन में विराजमान होंगे।

श्रीमद जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य जी महाराज पंचम बैकुंठ उत्सव आए हुए संतो महंतों का स्वागत अधिकारी स्वामी अनंत पद्मनाभाचार्य महाराज ने किया।इस अवसर पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के शिष्य उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास,हनुमानगढ़ी के महंत रामकुमार दास, श्री राम प्रियाकुंज के महंत डॉ स्वामी उद्धव शरण, श्री राम आश्रम के पीठाधीश्वर महंत जयरामदास वेदांती, श्री रामकृष्ण आश्रम के पीठाधीश्वर महंत गणेशानंद दास, महंत राम मिलन शरण, जयसवाल मंदिर के महंत श्यामसुंदर दास महंत रामकृष्ण दास सहित सैकड़ो की संख्या में संतों महंतों ने श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

माहे रमजान पर नमाज अदा करने के लिए मस्जिदों में उमड़ी भीड़

संवाददाता–बलरामपुर। रमजान उल मुबारक के चांद के साथ ही रमजान का महीना शुरू हो गया। रमजान के महीने में ईशा की नमाज के बाद एक विशेष नमाज पढ़ी जाती है जिसे तरावीह कहते हैं। सोमवार को चांद देखते ही ईशा की नमाज के बाद मस्जिदों में नमाजियों ने हाफिज–ए–कुरान के पीछे विशेष नमाज तरावीह पढ़ी। मस्जिदें नमाजियों से खचाखच भारी रही। तरावीह की नमाज में छोटे छोटे बच्चों का भी उत्साह देखा गया। लोगों ने रात की आखरी सुबह के समय की जाने वाली सेहरी और इफ्तार के लिए खूब खरीदारी भी की। आम दिनों के मुकाबले रमजान के महीने में मस्जिदों में नमाजियों की संख्या में कई गुना इजाफा देखा जा रहा है। सुबह फजर, दोपहर में जोहर, शाम को असर व मगरिब तथा रात में ईशा और तरावीह की नमाज में नमाजियों के भारी भीड़ जमा हो रही है। नमाजियों की काफी तादाद को देखते हुए मस्जिदों में खासा इंतजाम किया गया है। कस्बों व ग्रामीण क्षेत्रों में रमजान से पूर्व ही सभी मस्जिदों की साफ–सफाई करा ली गई है। घरों में भी महिलाओं ने साफ–सफाई की है। शनिवार को रात करीब आठ बजे तरावीह की नमाज शुरू हुई जो तकरीबन 10:00 से 10:30 तक पढ़ी गई। अहले सुन्नत में 20 रकात तरावीह की नमाज पढ़ी जाती है, जबकि अहले हदीस में 8 रकत तरावीह की नमाज होती है। शिया समुदाय में तरावीह की नमाज नहीं पढ़ी जाती है। प्रत्येक दिन तरावीह की नमाज में एक से दो पारा कुराने पाक की तिलावत की जाती है। जिसे इमाम के रूप में हाफिज मुंह जबानी पढ़ाते हैं और पीछे खड़े नमाजी उसे ध्यानपूर्वक सुनते हैं। ईशा की नमाज के बाद शुरू हुई पहली तरावीह की नमाज सभी जगहों पर रात के करीब 10.30 बजे समाप्त हुई। व्यापारियों की ओर से कुछ विशेष स्थानों पर 10 व 12 दिन में सम्पन्न होने वाली तरावीह का आयोजन भी किया गया है। जिसमें शहर के व्यापारियों के अलावा कामकाजी लोग शामिल हुए हैं, क्योंकि 10 से 12 दिनों के बाद बाजारों में खरीददारों की भारी भीड़ उमड़ने लगेगी और कारोबारियों, व्यापारियों को अपना कारोबार संभालना होगा। इसलिए ऐसे तबके के लोग 10 से 12 दिन में तरावीह की नमाज में एक कुरान मुकम्मल सुनकर अपने कारोबार में लग जाते हैं। पहले रोजा की सेहरी करने मंगलवार को देर रात करीब 3 बजे घरों की महिलाएं उठकर तैयारी में जुट गई। रोजेदारों ने सुबह शहरी के लिए निर्धारित अंतिम समयावधि 4.56 तक सेहरी किया। रोजेदारों ने सेहरी में खजूर, दूध, दही, सेंवई, सूतफेनी, ड्राई फ्रूट्स व हल्के नाश्ते का इस्तेमाल किया। सेहरी करने के बाद रोजेदारों ने सुबह फजर की नमाज अदा की। रोजेदारों ने शाम तक रोजा रखा और अल्लाह का इबादत किया। दोपहर बाद रोजेदार शाम के इफ्तारी की तैयारी में जुट गए। चिकन, मटन, फलों व अन्य खाने–पीने की दुकानों पर खरीदारों की भारी भीड़ देखी गई। चिकन, मटन, तरबूज, खरबूजा, केला, अंगूर, सेब, पपीता, अनानास, संतरा की खूब बिक्री हुई। शाम की इफ्तार के लिए घरों की महिलाएं दोपहर बाद ही रसोई में चूल्हा चौका संभाल लिया और इफ्तार बनाने में जुट गई। इफ्तार में खाने के लिए पकोड़े, दही बड़ा, आलू टिक्की, मटर, चना, फ्रूट चाट, आलू कचालू, पापड़, चिप्स, कबाब पराठा, चिकन फ्राई, बिरयानी समेत कई स्वादिष्ट व्यंजन बनाया। पेय पदार्थ में पानी के अलावा रूहअफजा शरबत, दही व लस्सी का इस्तेमाल किया।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। कांशीराम आवास कालोनी में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

इकौना थाना क्षेत्र के कांशीराम कालोनी में कुलदीप अपनी पत्नी के साथ रहते थे। मंगलवार दोपहर पत्नी लक्ष्मी दूध लाने गयी थी। लौटकर आयी तो पति छत के कुंडे से फंदा लगाकर लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कुंडे से उतरवा कर एंबुलेंस से सीएचसी पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच पड़ताल की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर कार्रवाई की जायेगी।

हत्या के चार दोषियों को सश्रम कारावास की सजा

संवाददाता–श्रावस्ती। जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी के पी सिंह ने बताया की मल्हीपुर थाना क्षेत्र के गंगा भागड़ गांव में 20 जनवरी 2013 को फूस का छप्पर उठाने की बात को लेकर गांव निवासी बालक राम पर शाम करीब सात बजे गांव के ही परशुराम गुड्डू उर्फ जैस राम भगेलू व काशीराम ने लाठी डंडे से हमला कर दिया था..इस हमले में बालक राम के पिता झोथू व साधु यादव को भी चोट आई थी। दौरान इलाज बालक राम की मौत हो गई थी। इस मामले में मृतक के पिता झोथू की तहरीर पर मल्हीपुर थाने में विभिन्न धाराओ में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। विवेचना के बाद आरोप पत्र न्यायालय पर भेजा गया। विचारण व सुनवाई के बाद मंगलवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश देवेंद्र सिंह ने मामले के दोषी परशुराम व काशीराम को आठ आठ वर्ष के सश्रम कारावास व पांच पांच हजार रूपये के जुर्माने से दण्डित किया है। जबकि गुड्डू उर्फ जैस राम व भगेलू को दस–दस वर्ष के सश्रम कारावास व पांच पांच हजार रूपये के अर्थदंड से दण्डित किया है। सहायक शासकीय अधिवक्ता फौजदारी पंकज देव गुप्ता ने बताया की अर्थदंड अदा न करने पर दोषियों को छह छह माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद

मूल वाद सं. 424/2022

राजित राम

बनाम

करमाइता

बनाम–1– करमाइता पत्नी जुग्गीलाल निवासी ग्राम पलियामाफी मौजा बसांवा परगना पश्चिमराठ तहसील मिल्कीपुर जनपद– अयोध्या

तारीख पेशी 29–03–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 03 के 29 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान अपर जिला मजिस्ट्रेट प्रशासन महोदय अयोध्या

वाद सं. 3436/2020

राम खेलावन आदि

बनाम

सरकार आदि

बनाम–1– सरकार उत्तर प्रदेश द्वारा कलेक्टर महोदय अयोध्या 2– गांवसभा मजनाई परगना पश्चिमराठ तहसील मिल्कीपुर जनपद– अयोध्या द्वारा ग्राम प्रधान 3–राम नरायन पुत्र गजाधर 4– राजेन्द्र पुत्र हरि प्रसाद 5– अनिल पुत्र स्वर्गीय रमेश 6–रामनरेश पुत्र जगप्रसाद 7–शिवशंकर पुत्र राम अनन्द 8–छविलाल पुत्र राम अनन्द 9–हीरालाल पुत्र राम अनन्द 10–मनोज पुत्र स्वामीनाथ 11– मुकेश कुमार 12– राजेन्द्र प्रसाद 13– रामेन्द्र कुमार पुत्रगण बरसाती समस्त निवासीगण ग्राम मजनाई परगना पश्चिमराठ तहसील बीकापुर जनपद– अयोध्या

तारीख पेशी 15–03–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 03 के 15 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद

मूल वाद सं. 1296/2023

जयराम पाण्डेय

बनाम

दुर्गा पाठक आदि

बनाम–1– दुर्गा पाठक पत्नी चन्द्रभान पाठक निवासिनी अवैधकृत पता मकान नम्बर 19/1/27 निकट श्वेताम्बरजैन मंदिर कटरा शहर अयोध्या परगना हवेली अवध तहसील सदर जनपद– अयोध्या 2– वीरेन्द्र मिश्रा पुत्र स्वर्गीय राजपति मिश्रा निवासी राजघाट तिराहा द्वारिकाधीश मंदिर शहर अयोध्या परगना हवेली अवध तहसील सदर जनपद– अयोध्या

तारीख पेशी 12–04–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 04 के 12 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

श्री जानकी जीवन सरकार के प्राकट्योत्सव आज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या–श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में अग्रिम पंक्ति में शुमार जगतगुरु स्वामी रामानंद जी का मंदिर दर्शन भवन के ठाकुर श्री जानकी जीवन जी के 16 वें प्राकट्योत्सव व श्री विश्वनाथ गौ सेवा दर्शन मंदिर का वार्षिकोत्सव महंत डॉ ममता शास्त्री के संयोजन दो दिवसीय उत्सव हर्षोल्लास के साथ 13 और 14 मार्च को मनाया जाएगा जिसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। 13 मार्च को सुबह 8 बजे ठाकुर श्री जानकी जीवन जो सरकार की तुलसी और पुष्प से सहस्त्रार्चन एवं 1008 बत्ती की आरती की गई।अपराहन 2 मंदिर के मुख्य द्वार से मां सरयू के तट तक भव्य शोभा यात्रा। मोक्षदायिनी मां सरयू की 2100 दीपों से दीपदान और उसके उपरांत भव्य आरती की जाएगी और उसके बाद शोभायात्रा सरयू तट से मंदिर के लिए प्रस्थान करेगी। शाम 7 बजे नर्मदेश्वर भगवान शंकर का विशेष श्रृंगार भस्म आरती और दर्शन होगा। रात्रि 8 बजे दर्शन भवन बिहार सरकार के फूल बंगला की दिव्या एवं मनोहारी झांकी और रात्रि 8 से 10 तक मंदिर के मुख्य द्वार पर प्रसाद वितरण किया जाएगा साथ ही साथ रात्रि 10 बजे से शास्त्रीय संगीत एवं सांस्कृतिक संध्या का कार्यक्रम होगा और रात्रि 12 बजे ठाकुर श्री जानकी जीवन जी के संग फूलों की होली का मनोरम महोत्सव मनाया जाएगा।

उन्होंने बताया 14 मार्च को सुबह 7 से 9 बजे श्री नर्मदेश्वर भगवान शंकर का रुदभिषेक , 9 से श्री विश्वनाथ गौ सेवा दर्शन मंदिर में गौ माता का विशेष पूजन दिन में 10 बजे से 11 बजे तक ठाकुर श्री जानकी जीवन के दरबार में छप्पन भोग निवेदित होगा 11 बजे जेवनार और 12 बजे भंडारे का आयोजन होगा। महंत डॉ ममता शास्त्री ने बताया की दर्शन भवन के बिहारी जी सरकार का वही स्थान है जहां 13 वीं शताब्दी में जगद्गुरु स्वामी रामानंदाचार्य जी महाराज ने अपने धर्म जागरण दिग्विजय यात्रा क्रम में प्रवास किया था और कालांतर में अनंत श्री विभूषित ब्रह्मलीन ब्रह्मचारी महंत श्री विश्वनाथ प्रसाद शास्त्री श्री गुरुदेव भगवान जी महाराज अपने व्रत तपस्या एवं त्याग से मंदिर को वर्तमान स्वरूप प्रदान किया आज भी उनकी आध्यात्मिक ऊर्जा के विकिरण एवं प्रताप के फलस्वरूप मंदिर में निरंतर धार्मिक आध्यात्मिक उत्सव का आयोजन होता रहता है और गुरुदेव भगवान के आशीर्वाद से ठाकुर श्री जानकी जीवन जी का 16 वां प्रकाशोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है।

हाईवे पर टायर फटने से बस में लगी, यात्री सुरक्षित

संवाददाता–गोण्डा। गोण्डा–अयोध्या हाईवे पर देहात कोतवाली क्षेत्र खोहरहसा में मंगलवार की सुबह टायर फटने से बारातियों से भरी बस में आग लग गई। बस में बैठे बारातियों ने जैसे–तैसे बस से कूदकर जान बचाई। अफरातफरी के बीच पहुंची अग्निशमन वाहन ने आग पर काबू पाया। हाईवे पर गोंडा से अयोध्या की ओर बारात लेकर जा रही एक प्राइवेट बस का अचानक टायर फट गया। टायर फटने के साथ ही बस में आग लग गई। आग लगती देख यात्रियों में हड़कंप मच गया। अफरातफरी के माहौल में बस में सवार निकल कर अपनी जान बचाई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस बचाव कार्य में जुट गई और अग्निशमन की गाड़ियों को बुलाया गया। कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक बस का कुछ हिस्सा जल गया।

कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने सपा पर बोला हमला, कहा सपा के गुण्डे कर रहे हत्याएं

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर के खलीलाबाद के डीघा में सुभासपा महिला मंच की प्रदेश महासचिव नंदिनी के परिजनों से मिलकर राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने ढांढ़स बंधाया। वहीं पत्रकारों से वार्ता करते हुए सपा पर बोला हमला, कहा प्रदेश में सपा के गुण्डे हत्याएं कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सपा सरकार में पहले दो हजार अपराध अपराध कर रहे हैं। हर मामले में इनसे जुड़े लोगों का नाम आ रहा है। योगी सरकार कानून का राज स्थापित करने के लिए पूरी ताकत लगा रही है। जनता को राहत है। जनता भी इसका विश्वास कर रही कहीं कोई दंगे फंसाद नहीं हो रहे हैं। गरीबों के विकास की योजनाएं गरीबों तक पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि खलीलाबाद में कुछ ऐसे शरारती तत्व सक्रिय हैं जो शराब पिलाकर गरीबों की जमीन लिखा ले रहे हैं। जब वह होश में आता है तो पैसे मांगता है। न देने के लिए हत्या हो जाती है।

फर्रुखाबाद में पुलिस द्वारा पार्टी के जिलाध्यक्ष का गमछा उतरवाने के सवाल पर कहा कि इस घटना की जानकारी नहीं। जिलाध्यक्ष कौन है यह भी पता नहीं। कानून व्यवस्था को लेकर सरकार के फेल होने के सवाल को नकार दिया। उन्होंने कहा घटना होने के बाद से सरकार के मंत्री, आईजी, डीएम, एसपी, सांसद सब सम्पर्क में हैं। पांच में से चार आरोपी जेल में हैं। पांचवा भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इससे पूर्व ओमप्रकाश राजभर ने नंदिनी के परिजनों से ढांढ़स बंधाया कहा पूरी सरकार आपके साथ है। जल्द ही अंतिम आरोपी भी गिरफ्तार होगा। पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है। उन्होंने पुलिस को निर्देश दिया कि निर्दोष पर कार्रवाई न हो। उन्होंने परिजनों को 50 हजार रुपए की सहायता दी। उन्होंने कहा बच्चे के पढ़ाने की जिम्मेदारी पार्टी उठाएगी। परिजनों को पुलिस का संरक्षण दिया जाएगा। कहीं भी जाना हो तो सूचित करें। पुलिस साथ में जाएगी। मौके पर मौजूद बालकिशुन की पत्नी ने बैनामा लिखवाई गई भूमि को वापस कराने की मांग की। कहा बच्चों को लेकर कहां जाएंगे।

शहर में पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के पुलिस अधीक्षक की अगुवाई में आगामी त्योहारों होली, रमजान के दृष्टिगत खलीलाबाद शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पैदल गश्त किया। आमजन को सुरक्षा का अहसास दिलाया।

पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता ने प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली खलीलाबाद रामकृपाल सिंह साथ एसएसबी व मय आवश्यक पुलिस बल के साथ थाना कोतवाली खलीलाबाद के मेहदावल बाईपास से पैदल गश्त शुरू की। अंसार टोला, पठान टोला, मधुकुंज, बरदहिया चौकी, मीट मण्डी आदि क्षेत्रों में पैदल गश्त की गई। पैदल गश्त के दौरान आम नागरिक से सीधा संवाद स्थापित कर उनको सुरक्षा का भरोसा दिलाया। आम जनमानस से अपील की गई कि घरों में अच्छी एवं उच्च गुणवत्ता के सीसीटीवी कैमरा लगाएं जिससे कि कोई भी अप्रिय घटना न घटित होने पाए।

गुरुजनों ने बखानी श्रीराम की महिमा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती जनपद के राष्ट्रपति पदक प्राप्त शिक्षक डॉ सर्वेष्ट मिश्र के नेतृत्व में एडूलीडर्स रामोत्सव शैक्षिक समागम तथा गुरु वशिष्ठ के राम विषयक संगोष्ठी में गुरुजनों ने गुरु वशिष्ठ के राम के गुणों का बखान किया। प्रदेश के सभी 75 जनपदों से आए 10 विद्वान शिक्षकों ने भगवान राम के व्यक्तित्व के विविध पक्षों को जोड़ते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए। गोष्ठी में वाराणसी से डॉक्टर सरोज पांडे, बस्ती से डॉ सर्वेष्ट मिश्र, चित्रकूट से रामनारायण पाण्डे, सोनभद्र से दीनबन्धु, सन्तकबीर नगर से चन्द्र शेखर मिश्र, फतेहपुर से राधेश्याम दीक्षित, गौतमबुद्ध नगर से श्वेता सोमवंशी, अयोध्या से अंबिकेश त्रिपाठी और सदके हुसैन, बिजनौर से सुधीर राणा ने अपने विचार रखे।

संस्कृति, पर्यटन विभाग उत्तर प्रदेश एवं एडूलीडर्स यूपी के संयोजन में रामोत्सव 2024 अयोध्या के मंच पर भगवान राम लला के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन 11 नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के सभी 75 जनपदों से 110 उत्कृष्ट शिक्षकों को एडूलीडर्स कर्मयोगी सम्मान भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए शिक्षकों ने अपने उत्कृष्ट कार्यों का पावरप्वाइंट प्रस्तुति भी दिया। कार्यक्रम में एडूलीडर्स यूपी के संस्थापक डॉ सर्वेष्ट मिश्र ने टीम एडूलीडर्स यूपी द्वारा प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार हेतु किया जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के संयोजक संस्कृति विभाग के सलाहकार आशुतोष द्विवेदी ने रामोत्सव 2024 के अवसर पर सभी का स्वागत करते हुए संस्कृति तथा पर्यटन विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि यह विभाग भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता को वैश्विक पहचान देने के लिए अनवरत कार्यरत है। उन्होंने शिक्षकों द्वारा भगवान राम के बारे में प्रस्तुत विचारों को अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि गुरुजनों ने हमेशा देश की दशा और दिशा तय की है। यह परंपरा गुरु वशिष्ठ से लेकर और अभी तक जारी है।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र के मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बस्ती अनूप तिवारी ने कहा कि वर्तमान में बड़ी संख्या में शिक्षकों द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट प्रयासों से वर्तमान सरकार में स्कूलों की दशा और दिशा में काफी सुधार हुआ है। उनके द्वारा किए जा रहे नए नवाचारों से सरकारी स्कूलों में छात्र संख्या बढ़ने के साथ ही शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है। कार्यक्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप तिवारी कार्यक्रम के संयोजक आशुतोष दुबे तथा एडूलीडर्स यूपी के संस्थापक डॉ सर्वेष्ट मिश्र ने सभी 110 शिक्षकों को स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र, कैलेंडर तथा श्री रामलला का दिव्य चित्र भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा बी एस ए बस्ती अनूप तिवारी तथा डॉ सर्वेष्ट मिश्र को अष्टधातु की श्री रामलला दरबार का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक आशुतोष आशुतोष द्विवेदी को टीम एडू लीडर्स यूपी द्वारा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बस्ती के शिक्षकों बृजेश गुप्ता, रमेश विश्वकर्मा, ललन चंद्र त्रिपाठी, राम गोपाल पाठक, मो इकबाल, अजय पांडे, भास्कर दुबे, राजकांत, को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में सदके हुसैन, प्रीति मिश्रा, संतोष कुमार, सत्यजीत द्विवेदी, श्रीप्रकाश पाठक, सुधीर कुमार राणा, गीतकार रामायण धर द्विवेदी, रेशू पांडे, श्वेता सोमवंशी, प्रतिज्ञा त्रिवेदी, अनूप मल्होत्रा सहित विभिन्न शिक्षक उपस्थित रहे।

शिक्षा की मजबूती के साथ स्कूलों का कायाकल्प कर रही सरकार

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के जगदगुरु शंकराचार्य इंटर कालेज पर बेसिक शिक्षा विभाग की ब्लाक स्तरीय संगोष्ठी व उन्मुखीकरण कार्यशाला हुई। कार्यशाला में शिक्षकों को बेहतर शिक्षा को लेकर सरकार के प्रयासों में सहयोग करने को कहा गया। प्रभावी शिक्षण कार्य के टिप्स दिए गए। कार्यशाला का शुभारम्भ मुख्य अतिथि विधायक अनिल त्रिपाठी ने किया। कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार शिक्षा की बेहतरी के लिए लगातार कार्य कर रही है। परिषदीय स्कूलों का कायाकल्प कराया जा रहा है। वहीं बच्चों को बेहतर शिक्षा मिले इसके लिए नई तकनीकि का सहारा लेते हुए मुफ्त किताबें उपलब्ध कराई जा रही है। प्राईवेट स्कूलों की तर्ज पर इंग्लिश मिडियम से भी शिक्षण कार्य कराया जा रहा है। नई शिक्षा नीति से बच्चों पर पढ़ाई का पड़ने वाला बोझ कम हो रहा है। खंड शिक्षा अधिकारी महेंद्र प्रसाद ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का माहौल बनने से नामांकन को लेकर बच्चों का रूझान तेजी से बढ़ रहा है। सरकार ग्रामीण क्षेत्र में भी अब बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल रहा है। निपुण लक्ष्य के माध्यम से प्रत्येक बच्चों को इसे योग्य बनाया जा रहा है कि वह अपने कक्ष में अपनी दक्षता साबित कर सके। उन्होंने अभिभावक से अपने बच्चों का परिषदीय विद्यालय में नामांकन करने की अपील किया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले बच्चों को विधायक व बीईओ ने पुरस्कृत किया।

ऑटो सवार महिला से बदमाशों ने की लूटपाट

संवाददाता–गोरखपुर। चौरीचौरा से रामनगर कड़जहां जा रही महिला से ऑटो सवार चार बदमाशों ने लूटपाट की। महिला के गले और कान से जेवर उतरवाने के साथ ही दो हजार रुपये नकदी लेकर बदमाश भाग गए। चौरीचौरा थानाक्षेत्र के रामपुर रकबा गांव की विद्यावती देवी पत्नी स्व. अवधेश यादव ने पुलिस को तहरीर दी। बताया कि मंगलवार को पूर्वाह्न करीब 11 बजे चौरीचौरा से ऑटो पकड़कर वह रामनगर कड़जहां जा रही थीं। चौरीचौरा से चलने वाले ऑटो में पहले से चार युवक सवार थे। चौरीचौरा पेट्रोल पंप के आगे जाते ही बदमाशों ने उनके कान की झाली, गले में पहनी हुई सोने की जीउतिया व दवा कराने के लिए पास में रखी दो हजार नगदी छीन ली। वह शोर मचाकर लोगों को बुला पाती। इसके पहले ऑटो से उतरकर बदमाश भाग गए। महिला की सूचना पर पुलिस कार्रवाई में जुटी है।

होली का चढ़ा रंग, 85 रुपये लीटर बिकने वाला पॉम आयल एक बार फिर 100 रुपये के करीब

संवाददाता–गोरखपुर। होली के रंग भरे त्योहार को लेकर घर–घर पकवान बनाए जाने की तैयारी है। लेकिन बाजार में सबकुछ महंगा होता दिख रहा है। चिप्स के लिए आलू की कीमतें ही नहीं इसे तलने के लिए इस्तेमाल होने वाली खाद्य तेलों की कीमतें बढ़ रही हैं। चंद दिनों पहले 85 से 90 रुपये प्रति लीटर बिकने वाला पॉम आयल 100 रुपये का आकड़ा छूने को फिर बेताब है। सोया आयल से लेकर सरसों तेल की कीमतों में 7 से 10 रुपये प्रति लीटर का इजाफा होता दिख रहा है। बाजार के जानकार बता रहे हैं कि सरकार की न तो नीति बदली है न ही कोई प्राकृतिक संकट ही है। बड़े कारोबारी मालिकों के सांठगांठ कर खाद्य तेलों की कृतिम शार्टेज दिखाकर कीमतें तय कर रहे हैं। बाजार में कई कारोबारियों के पास खाद्य तेल की शार्टेज है। खाद्य तेलों के कारोबारी संजय सिंघानिया का कहना है कि 'मिल से ही माल नहीं मिल रहा है। कुछ चुनिंदा कारोबारियों के पास पर्याप्त माल है। ऐसे में अपने हिसाब से कीमतों को तय कर रहे हैं। थोक में 85 से 88 रुपये प्रति लीटर बिकने वाला पॉम ऑयल 92 से 95 रुपये प्रति लीटर तक बिक रहा है। इसी तरह सोया ऑयल 113 से उछल कर 120 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गया है। फुटकर में सोया ऑयल 130 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गया है। हुमायूंपुर में किराना कारोबारी केदार का कहना है कि 'बाजार में चालू ब्रांड का सोया ऑयल कुछ चुनिंदा ट्रेडर्स के पास है। ऐसे में वह अपने हिसाब से कीमतें तय कर रहे हैं। होली और रमजान के बढ़े मांग से मुनाफाखोरी हावी हो रही है।

सरसों तेल की कीमतों में भी इजाफा हो रहा है। ब्रांड वाले पैकेट 10 दिन पहले तक 116 से 120 रुपये प्रति लीटर तक बिक रहे थे। वर्तमान में थोक में कीमतें 122 से 125 रुपये तक पहुंच गई हैं।

थोक और फुटकर की कीमतों में 10 से 15 रुपये प्रति लीटर का अंतर है। फुटकर कारोबारी वीरेन्द्र मौर्या का कहना है कि 'कीमतों में उतार चढ़ाव से काफी दिक्कत हो रही है। बड़े मॉल से कीमतों को लेकर कंपटीशन करना मुश्किल है। छोटे कारोबारी मॉल और मुनाफाखोरों में बीच फंसकर बर्बाद हो रहे हैं।

26 को धूमधाम से निकलेगी भगवान नरसिंह की यात्रा, सीएम योगी रहेंगे मौजूद

संवाददाता–गोरखपुर। हर वर्ष होलीकोत्सव समिति की ओर से निकलने वाली भगवान नरसिंह की रंग भरी शोभा यात्रा इस वर्ष भी 26 मार्च दिन मंगलवार को सुबह 8:30 बजे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नितृत्व में घंटाघर से निकाली जाएगी। शोभायात्रा में प्रमुख रूप से मुख्यमंत्री गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम को लेकर के सोमवार को माया बाजार स्थित चित्रकूट मंदिर में होलीकोत्सव समिति की बैठक हुई। बैठक में भगवान नरसिंह की शोभा यात्रा की चर्चा हुई और कार्यकारिणी का गठन हुआ। भगवान नरसिंह की शोभायात्रा संघ की प्रार्थना और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं प्रान्त प्रचारक सुभाष के उद्बोधन के बाद बड़े ही धूमधाम से घंटाघर चौक से निकलेगी। इस बीच नरसिंह भगवान की महाआरती होगी। उसके बाद रंग गुलाल खेलते हुए शोभायात्रा प्रस्थान करेगी। शोभायात्रा घंटाघर से निकाल कर मदरसा चौक, लालडिग्गी, घासीकटरा, मिर्जापुर, चरनलाल चौक, आर्य नगर, बक्शीपुर, नखास, रेती हुए होते हुए घंटाघर चौराहे पर समाप्त होगी। शोभायात्रा में काला एवं हरा रंग तथा गुब्बारे का प्रयोग पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। समिति ने जिलाधिकारी से शोभायात्रा के रास्तों पर बिजली के तार हटाने तथा सड़क की सफाई करने को लेकर पत्र दिया है। इसी क्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेतृत्व में फाल्गुन महोत्सव का कार्यक्रम लालडिग्गी पार्क में 24 मार्च दिन रविवार को सुबह 7:30 बजे से फूलों की होली का कार्यक्रम आयोजित है। इस कार्यक्रम में कूपन के द्वारा ही प्रवेश है। बैठक में प्रमुख रूप से संरक्षक के रूप में जगदीश, प्रदीप, आत्मा, अरुण, अध्यक्ष मनोज जालान, मंत्री नंदकिशोर, उपाध्यक्ष अनन्य, शोभा यात्रा प्रमुख शैलेश, शिवम पटवा, प्रवीण शैलेंद्र, अनुराग, सच्चिदानंद, रमाशंकर, नंदकिशोर शर्मा, मनोज कश्यप राजाराम, अजय शंकर ओझा, अराइवल जायसवाल, अनन्या गुप्ता, प्रवीण, अनुराग, दुर्गेश पटवा, प्रदीप कुशवाहा, सहित अन्य कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

अपराध स्वीकार करने पर चोरी के आरोपी को दो वर्ष का कारावास

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में अपराध स्वीकार करने पर चोरी के एक आरोपी को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अनिल कुमार एकादश की कोर्ट ने दो वर्ष के साधारण कारावास की सजा सुनाई। सीजेएम कोर्ट ने आरोपी चन्द्रिका निषाद पर सजा के अलावा विभिन्न धाराओं में कुल तीन हजार रुपए के अर्थदण्ड का फैसला दिया है। अर्थदण्ड का भुगतान न करने पर आरोपी को 15 दिन की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। अभियोजन अधिकारी अजीत कुमार सिंह ने बताया कि प्रकरण कोतवाली खलीलाबाद थाना क्षेत्र का है। प्रकरण में वादी ने घर में सेंधमारी करके चोरी करने का अभियोग पंजीकृत कराया था। मामले में थाना कोतवाली में धारा 457 व 380 भादवि का अभियोग पंजीकृत कराया था। पुलिस ने विवेचना के दौरान चन्द्रिका निषाद पुत्र राम जित्तन दास ग्राम पड़रिया वर्तमान पता ग्राम परसा कला थाना धनघटा के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। अभियोजन अधिकारी ने बताया कि विचारण के समय आरोपी ने अपराध स्वीकार करने का प्रार्थना पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। आरोपी ने कोर्ट से कम से कम सजा की याचना किया। सीजेएम अनिल कुमार एकादश की कोर्ट ने पक्षों की बहस सुनने एवं पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों का करने के पश्चात आरोपी को दोषसिद्ध करार देते हुए आरोपी को दो वर्ष के साधारण कारावास की सजा सुनाई।

अदालती नोटिस

न्यायालय स्थान द्वारा निकाली गयी उदघोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 21/2024

न्यायालय–सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर जिला–सिद्धार्थनगर

1. उमाशंकर पाण्डेय उम्र करीब 39 वर्ष पुत्र रामराज्य पाण्डेय निवासी ग्राम पकडी निकसौली परगना व तहसील नौगढ़ पोस्ट महुलानी जनपद सिद्धार्थनगर

बनाम

ईस्टेट

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 22–03–2024

अपने को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 03 के 22 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर जिला– सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0–157

अदालत– श्रीमान नायब तहसीलदार सदर बस्ती जिला–बस्ती

शम्भूसरण आदि

बनाम

रामनरायन

1. शम्भूसरण पाण्डे 2. ईश्वर सरण पान्डे पुत्रगण नन्दकिशोर पाण्डेय 3. प्रेमशंकर मिश्र पुत्र बलराम मिश्र 4. कृष्णचन्द्र 5. रमेशचन्द्र 6. दिनेश चन्द्र पुत्रगण रामकिशोर 7. सत्येन्द्र मोहन 8. धीरेन्द्र मोहन पुत्रगण हरीश चन्द्र 9. कमलनैन 10. राजीवनैन पुत्रगण सुरेश चन्द्र 11. जितेन्द्रनाथ 12. नागेन्द्रनाथ 13. धरमेन्द्रनाथ पुत्रगण विश्वम्भरनाथ 14. इन्द्र कुमारी पत्नी गिरजाशंकर 15. शारदा देवी पत्नी बेदव्यास दिक्षित निवासीगण ग्राम बस्ती खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 14–03–20224

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 14 माह 03 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा वकिफ और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

बार एसोसिएशन सिविल कोर्ट की बैठक में दी बधाई

संवाददाता–गोरखपुर। बार एसोसिएशन सिविल कोर्ट, गोरखपुर की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी की बैठक अध्यक्ष भानु प्रताप पाण्डेय की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई। बैठक का संचालन मंत्री गिरिजेश मणि त्रिपाठी ने किया।

इस दौरान आगामी प्रथम और तीसरे शनिवार को होने वाली हड़ताल को अधिवक्ताओं और वादकारियों के हित को देखते हुए समाप्त करने का निर्णय लिया गया। बैठक में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने एक–दूसरे को बधाई दी। इस दौरान राजेश कुमार पाण्डेय, मृत्युंजय राव सिंह, अशोक कुमार चौहान, सुमित प्रधान, स्नेहा मिश्रा, सुनील मिश्र, अनिल कुमार पासवान, पुष्पा सिंह, अजय शंकर त्रिपाठी, आनन्द कुमार पाण्डेय, अजय कुमार सिंह, अनूप कुमार श्रीवास्तव, लाल बहादुर गुप्ता, गीता गुप्ता, रीतू मिश्रा, अनुराग उपाध्याय, क्षमा राय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं. 155/2023

स्मिता चौधरी –सायलान

1. स्मिता चौधरी उम्र लगभग 40 वर्ष पत्नी स्व0 पंकज चौधरी 2. शौर्य उर्फ यश चौधरी उम्र लगभग 16 वर्ष पुत्र स्व0 पंकज चौधरी 3. अमाया चौधरी उम्र लगभग 10 वर्ष पुत्री स्व0 पंकज चौधरी 4. श्रीमती प्रभावती चौधरी उम्र लगभग 66 वर्ष पत्नी स्व0 जगदीश प्रसाद चौधरी मृतक की माता निवासीगण मोहल्ला कटरा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 19–03–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 19–03–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

पावर आफ अटार्नी में 100 करोड़ के स्टांप ड्यूटी का खेल पकड़ा, मुकदमा दर्ज

संवाददाता–गोरखपुर। पॉवर ऑफ अटार्नी में करीब 100 करोड़ के स्टांप ड्यूटी का खेल पकड़ा गया है। मामला नेपाल के एक परिवार से जुड़ा है, जो आजादी के पहले गोरखपुर में रहता था। उनकी करीब 9.37 हेक्टेयर जमीन और एक कोठी का इलाहाबाद के रामेश्वर प्रसाद त्रिपाठी की फर्म ने पॉवर ऑफ अटार्नी के जरिए विक्रय का अधिकार लिया। डीड पुराने स्टांप ड्यूटी के नियम के आधार पर की गई, जबकि 28 दिसंबर 2023 को संशोधित अध्यादेश लागू हो गया। जनसुनवाई पोर्टल पर एक अधिवक्ता की शिकायत पर हुई जांच में मामला पकड़ा गया है। नेपाल के थापा परिवार के 15 लोगों से अलग–अलग पॉवर ऑफ अटार्नी कराया गया। निबंधन विभाग के मुताबिक, प्रत्येक डीड से 5, 99, 18, 880 रुपये स्टांप शुल्क जमा करना था, लेकिन 100 रुपये ही लगाया गया। यानी 5, 99, 18, 880 रुपये कम जमा किए गए। इसी प्रकार निबंधन शुल्क के रूप में 85, 59, 840 रुपये जमा करने की जगह 500 रुपये शुल्क जमा किया गया। इस हिसाब से प्रत्येक डीड में स्टांप व निबंधन शुल्क के रूप में 6,84,78,120 रुपये कम जमा हुए। अगर सभी 15 डीड का हिसाब जोड़ा जाए तो यह रकम 102, 71, 71, 800 रुपये कम शुल्क जमा हुए हैं। निबंधन विभाग ने सभी 15 मामलों में केस दर्ज किए हैं। इसके बाद से निबंधन कार्यालय में हड़कंप मच गया है। माना जा रहा है कि पूरे प्रदेश में इस तरह की गड़बड़ी हुई है। फिलहाल, गोरखपुर में इसकी जांच शुरू करा दी गई है। काठमांडो, नेपाल के मेट्रोपोलियन सिटी में रहने वाले एक परिवार की जंगल सिकरी उर्फ खोराबार तहसील की 21 गाटाओं में कुल 7.152 हेक्टेयर, मौजा जंगल अयोध्या प्रसाद, सदर तहसील में 2.2 हेक्टेयर जमीन एवं नसीराबाद सिटी में एक कोठी है। इसे बेचने का अधिकार नेपाल के इस परिवार ने 27, 28 दिसंबर 2023 और तीन जनवरी 2024 को प्रयागराज अल्लाहपुर के शिवनगर कॉलोनी निवासी रामेश्वर प्रसाद त्रिपाठी की फर्म एसआर सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड ने डीड के जरिए लिया। इसमें 100 रुपये के स्टांप पर 500 निबंधन शुल्क जमा किया गया, जबकि 27 दिसंबर 2023 को नया अध्यादेश लागू हो गया। इसके मुताबिक, सर्किल रेट के अनुसार बैनामे के बराबर स्टांप शुल्क देना है। जांच के बाद प्रत्येक डीड में 6,84,78,120 रुपये का स्टांप व निबंधन शुल्क की कमी पाई गई है। अधिकारियों ने अब स्थलीय निरीक्षण की भी सिफारिश की गई है। वहीं, अब नया अध्यादेश लागू होने के बाद से महीने भर के हुए पॉवर ऑफ अटार्नी की जांच शुरू करा दी गई है। सहायक महानिरीक्षक निबंधन प्रदीप राणा ने बताया कि पावॅर ऑफ अटार्नी के 15 मामलों में स्टांप और निबंधन शुल्क जमा किया गया था। नए अध्यादेश के अनुसार, शुल्क जमा नहीं हुआ है। प्रत्येक डीड में 6,84,78,120 रुपये कम जमा हुआ है। सभी मामलों में भारतीय स्टांप अधिनियम की धारा 47 के तहत केस दर्ज करा दिया गया है। संबंधित व्यक्ति को भी पक्ष रखने के लिए नोटिस भेज दी गई है। पॉवर ऑफ अटार्नी लेने वाले रामेश्वर प्रसाद त्रिपाठी ने बताया कि निबंधन कार्यालय से नोटिस मिला है। जब मैंने अनुबंध कराया, उस समय नया अध्यादेश संबंधित कोई शासनादेश जारी नहीं हुआ था। निबंधन कार्यालय में भी जांच करने के बाद ही डीड जारी हुआ। नए अध्यादेश की जानकारी नहीं दी गई। नोटिस का जवाब दूंगा, अगर शुल्क जमा करने से राहत नहीं दी गई तो हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करूंगा।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0 248/2023

आबिद अली

बनाम

दीनानाथ आदि

1. दीनानाथ उम्र 50 साल 2. दीनबन्धु उम्र 54 साल पुत्रगण स्व0 जगदीश प्रसाद 3. श्रीमती मधुलिका गुप्ता उम्र 48 साल पत्नी शिवनाथ साहु 4. राजश्री गुप्ता उम्र 27 साल 5. विश्वनाथ साहु उम्र 24 साल पुत्रगण शिवनाथ साहु साकिनान मौजा बस्ती खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 18–04–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 18 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0 275/2022

श्रीमती रीता देवी

बनाम

श्रीमती माधुरी देवी आदि

7. रमाकान्त उम्र लगभग 54 साल पुत्र रामसिंहासन साकिन ग्राम दौलतपुर हाल मुकाम खजुरिया तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 25–04–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 25 माह 04 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी करूणाकान्त पाण्डेय पुत्र श्री जगदीश प्रसाद पाण्डेय ग्राम– बैजलपुर थाना– कलवारी जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मेरे दो पुत्र विमल पाण्डेय और विनय पाण्डेय तथा पुत्री दिव्या पाण्डेय है। मेरा बड़ा पुत्र विमल पाण्डेय और उसकी पत्नी सृष्टि पाण्डेय परिवार के कहने–सुनने में नहीं हैं। आये दिन विवाद और कलह किया करते हैं। मेरी पत्नी प्रमिला पाण्डेय भी इससे काफी परेशान और दुःखी है। मैं अपने पुत्र विमल पाण्डेय और उसकी पत्नी सृष्टि पाण्डेय को अपने चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूं। अब उनका मेरे परिवार से कोई वास्ता सरोकार नहीं है। अपने किसी भी कृत्य, विवाद, लेन देन आदि के लिये वे स्वंय जिम्मेदार होंगे। प्रकाशन इस लिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com bhartiyabasti@gmail.com